सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
*" मेहनत कभी धोखा नहीं देती,
बस वक्त थोड़ा ज्यादा लेती है"...!!*
अज्ञात...

वर्ष–01 अंक–81 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, शनिवार 11 अप्रैल 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य –2 रुपए

बीएसपी का फायर ब्रिगेड : अदम्य साहस, सतत सजगता और सामूहिक सुरक्षा का जीवंत प्रतिमान

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

छत्तीसगढ़ के औद्योगिक परिदृश्य में भिलाई इस्पात संयंत्र केवल उत्पादन क्षमता के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्थाओं के लिए भी विशिष्ट पहचान रखता है। इस सुरक्षा ढांचे का सबसे सशक्त स्तंभ है–संयंत्र की फायर ब्रिगेड। यह केवल अग्नि दुर्घटना से निपटने वाली इकाई नहीं, बल्कि हर आपात स्थिति में मानवता की रक्षा के लिए तत्पर एक संगठित, प्रशिक्षित और समर्पित बल है।

आम जनमानस में फायर ब्रिगेड की छवि अक्सर एक दमकल वाहन और उसमें सवार कर्मियों तक सीमित रह जाती है, किन्तु वास्तविकता इससे कहीं अधिक व्यापक और चुनौतीपूर्ण है। भिलाई इस्पात संयंत्र के फायरफाइटर्स आग से जूझने के साथ–साथ रेस्क्यू ऑपरेशन, रासायनिक जोखिम, गैस रिसाव, विस्फोटक परिस्थितियों और अन्य अप्रत्याशित आपदाओं से निपटने के लिए विशेष रूप से प्रशिक्षित हैं। जटिल औद्योगिक वातावरण में कार्य करते हुए वे हर स्थिति में संतुलन, साहस और त्वरित निर्णय क्षमता का परिचय देते हैं।

संयंत्र की अग्निशमन सेवा चार प्रमुख स्तंभों— ट्रेनिंग, प्रिवेंशन, मेंटेनेंस और ऑपरेशन पर आधारित है, जिनका समन्वित संचालन इसे अत्यंत प्रभावी बनाता है। ट्रेनिंग विंग के अंतर्गत फायरफाइटर्स को लगभग एक वर्ष के गहन प्रशिक्षण के माध्यम से तकनीकी दक्षता, प्राथमिक उपचार, आपदा प्रबंधन के साथ–साथ मानसिक और शारीरिक दृढ़ता के लिए तैयार किया जाता है। यह प्रशिक्षण केवल संयंत्र तक सीमित न रहकर स्कूलों, अस्पतालों और अन्य संस्थानों तक भी विस्तारित है, जिससे समाज में भी सुरक्षा के प्रति जागरूकता विकसित हो रही है।

प्रिवेंशन विंग रोकथाम ही सवोत्तम सुरक्षा के सिद्धांत पर कार्य करते हुए संवेदनशील स्थलों— जैसे तेल भंडारण क्षेत्र, गैस एजेंसियां और पेट्रोल पंप की नियमित निगरानी करता है। संयंत्र में स्थापित 16,200 से अधिक अग्निशामक यंत्रों का प्रत्येक चार माह में निरीक्षण इस सतत सतर्कता का प्रमाण है। वहीं मेंटेनेंस विंग फायर टेंडर, पंप और आपातकालीन उपकरणों की कार्यक्षमता सुनिश्चित करता है। हाल ही में 12 नए फायर टेंडरों के शामिल होने से इस क्षमता को और सुदृढ़ किया गया है।

ऑपरेशन विंग इस पूरी व्यवस्था का क्रियान्वयन करते हुए आग पर नियंत्रण, रेस्क्यू कॉल, मॉक ड्रिल, वीआईपी ड्यूटी, डिवाटरिंग और गैस लाइन संचालन जैसे विविध कार्यो का कुशलतापूर्वक निर्वहन करता है। उल्लेखनीय है कि फायर कॉल प्राप्त होते ही मात्र 30 सेकंड के भीतर टीम घटनास्थल के लिए रवाना हो जाती है। यही त्वरित प्रतिक्रिया कई बार संभावित बड़े नुकसान को टालने में निर्णायक सिद्ध होती है।

संयंत्र की फायर ब्रिगेड की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि फायर कॉल्स में आई उल्लेखनीय कमी भी है। यह कमी सुनियोजित प्रशिक्षण, नियमित मॉक ड्रिल, आधुनिक उपकरणों की उपलब्धता और व्यापक जागरूकता अभियानों का प्रत्यक्ष परिणाम है। कमर्चारियों एवं आम नागरिकों को दिए जाने वाले प्रशिक्षण और प्रदर्शन कार्यक्रमों ने सुरक्षा के प्रति एक सकारात्मक संस्कृति विकसित की है, जिससे दुर्घटनाओं में स्वतः कमी आई है।

इन सभी प्रयासों के बीच यह स्पष्ट होता है कि भिलाई इस्पात संयंत्र की फायर ब्रिगेड केवल एक विभाग नहीं, बल्कि साहस, अनुशासन और सेवा भावना का जीवंत उदाहरण है। ये वे अनदेखे प्रहरी हैं, जो हर क्षण सतर्क रहकर संयंत्र और समाज की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। साथ ही यह भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि अग्नि सुरक्षा केवल एक विभाग का दायित्व नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सतकर्ता, अनुशासन और नियमों के पालन के माध्यम से ही एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण का निर्माण संभव है।

साहस की जीवंत मिसालें

हाल के घटनाक्रम इस फायर ब्रिगेड की दक्षता और साहस के सशक्त उदाहरण प्रस्तुत करते हैं। भिलाई सेक्टर–6 स्थित एक प्रतिष्ठान में लगी आग के दौरान घने धुएं के बीच पीपीवी फैन और ब्रीदिंग अपरेटस सेट का उपयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया गया। रायपुर स्थित एक होटल में आग की घटना के दौरान एसडीआरएफ और एनडीआरएफ के साथ समन्वय स्थापित कर सफल बचाव कार्य किया गया। वहीं भनपुरी स्थित टार इंडस्ट्री में बड़े टैंकों में लगी भीषण आग को एएफएफएफ फोम के उपयोग से लगभग छह घंटे के अथक प्रयासों के बाद नियंत्रित किया गया, जिसमें किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

संपत्ति कर में भारी वृद्धि के खिलाफ कांग्रेस का हल्ला बोल

राजनंदगांव। भाजपा शासित नगर निगम द्वारा संपत्ति कर में की गई अप्रत्याशित वृद्धि ने शहर के नागरिकों और व्यापारियों में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है। इस मुद्दे को लेकर अब विपक्षी दल कांग्रेस ने निगम सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले के नेतृत्व में आगामी 13 अप्रैल, को सुबह 11 बजे नगर निगम कार्यालय का घेराव करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

नेता प्रतिपक्ष संतोष पिल्ले ने इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि 'डबल इंजन' की सरकार में महंगाई पहले से ही चरम पर है। आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों से मध्यम वर्ग और छोटे व्यापारियों का बजट बिगड़ चुका है। ऐसे में संपत्ति कर में 6% से 20% तक की वृद्धि करना जनता पर दोहरी मार डालने जैसा है।

आगामी आंदोलन को सफल बनाने के लिए संतोष पिल्ले अपने पाषर्दो के साथ मिलकर जनसंपर्क कर रहे हैं और नागरिकों का समर्थन जुटा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी है कि यदि निगम प्रशासन इस जनविरोधी निर्णय को वापस नहीं लेता, तो जनता के हित में उग्र आंदोलन किया जाएगा। विपक्ष के इस कड़े तेवर और घेराव की खबर लगते ही नगर निगम प्रशासन सहित सिविल और पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया है। शहर में राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है, क्योंकि यह मुद्दा सीधे तौर पर हर घर के बजट से जुड़ा है। कांग्रेस ने स्पष्ट किया है कि वे इस लड़ाई को तब तक जारी रखेंगे जब तक कि नगर निगम प्रशासन अपना फैसला वापस लेकर करदाताओं को राहत नहीं पहुँचाता।

स्वास्थ्य क्षेत्र में नवाचार को नई दिशा देगा वाइस चांसलर मीट–2026 : सीएम साय

मेडिसिटी हब और नए मेडिकल कॉलेज से बदलेगा प्रदेश का स्वास्थ्य परिदृश्य

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने नवा रायपुर स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय स्मृति स्वास्थ्य विज्ञान एवं आयुष विश्वविद्यालय में आयोजित ऑल इंडिया हेल्थ साइंसेज वाइस चांसलर मीट–2026 को संबोधित करते हुए इसे प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण अवसर बताया। उन्होंने भगवान श्रीराम के ननिहाल छत्तीसगढ़ की पावन धरा पर देशभर से आए कुलपतियों, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पहली बार आयोजित इस एकदिवसीय सम्मेलन के माध्यम से स्वास्थ्य शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्र में नवाचारों का व्यापक आदान–प्रदान होगा, जो आने वाले समय में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रदेश में पांच नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज तथा एक होम्योपैथी कॉलेज का निर्माण कार्य प्रगति पर है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ नागरिक ही विकसित छत्तीसगढ़ की आधारशिला हैं और इसी दृष्टिकोण के साथ स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और गुणवत्ता सुधार पर निरंतर कार्य किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ बनाने के प्रयासों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक की सहायता मिलना उनके लिए वरदान सिद्ध हो रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मधुमेह और कैंसर जैसी बीमारियां, जो पहले सीमित वर्ग तक मानी जाती थीं, अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से फैल रही हैं। इस चुनौती से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा आरोग्य मंदिर जैसी पहल की जा रही है, जिसका उद्देश्य लोगों को स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा देश में तीन आयुर्वेदिक एम्स स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। राज्य का लगभग 44 प्रतिशत क्षेत्र वनाच्छादित है, जो औषधीय पौधों की दृष्टि से अत्यंत समृद्ध है। इसी संदर्भ में उन्होंने हेमचंद मांझी को आयुर्वेद के क्षेत्र में पद्मश्री सम्मान मिलने पर गर्व व्यक्त करते हुए कहा कि उनके पास कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए विदेशों से भी लोग आते हैं।

कोविड–19 महामारी के दौरान भारत की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश ने तीन प्रकार के टीकों का विकास कर न केवल अपने 140 करोड़ नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की, बल्कि अन्य देशों की भी सहायता कर वैश्विक स्तर पर मानवता का परिचय दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने चिकित्सकों को समाज में भगवान के बाद सबसे महत्वपूर्ण स्थान बताते हुए उनसे सेवा भाव के साथ संवेदनशीलता बनाए रखने का आह्वान किया। उन्होंने विश्वास जताया कि यह सम्मेलन स्वास्थ्य क्षेत्र में नए मार्ग प्रशस्त करेगा और इसके सकारात्मक परिणाम आम जनता तक पहुंचेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य क्षेत्र की अनेक चुनौतियों का सफलतापूर्वक समाधान किया गया है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा शिक्षा में नवाचार के तहत हिंदी माध्यम की सुविधा प्रारंभ की गई है तथा तकनीक और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग से भविष्य में स्वास्थ्य सेवाएं और अधिक प्रभावी होंगी। उन्होंने चिकित्सकों से सेवा भाव और संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में 5 नए मेडिकल कॉलेज, 14 नर्सिंग कॉलेज और 2 मानसिक अस्पताल सहित स्वास्थ्य सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है तथा 275 अत्याधुनिक एम्बुलेंस उपलब्ध कराई गई हैं। उन्होंने जानकारी दी कि 13 अप्रैल से सुकमा में मुख्यमंत्री बस्तर स्वास्थ्य योजना के तहत 36 लाख लोगों की हेल्थ स्क्रीनिंग और आयुष्मान कार्ड निर्माण का कार्य प्रारंभ किया जाएगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने अपने उद्बोधन में कहा कि नक्सल समस्या के समाप्त होने के बाद छत्तीसगढ़ तेजी से विकास की दिशा में अग्रसर होगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन से प्राप्त सुझाव आयुष मंत्रालय को भेजे जाएंगे और यह आयोजन स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार में प्रेरक भूमिका निभाएगा। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं। इस अवसर पर विधायक इंद्र कुमार साहू, विधायक पुरन्दर मिश्रा, विशेष आमंत्रित अतिथि डॉ. वेद प्रकाश मिश्रा, भारतीय स्वास्थ्य विद्यापीठ के अध्यक्ष डॉ. राजीव सूद तथा आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. प्रदीप कुमार पात्रा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित थे।

एक दर्जन से अधिक निजी अस्पतालों का शुभारंभ

मुख्यमंत्री ने राज्य में स्वास्थ्य अधोसंरचना के तेजी से विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि राजधानी क्षेत्र में मेडिसिटी हब विकसित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत 5000 बिस्तरों वाला सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इससे प्रदेशवासियों को विश्वस्तरीय चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने यह भी बताया कि उनके कायर्काल में रायपुर में एक दर्जन से अधिक निजी अस्पतालों का शुभारंभ किया गया है। भारत की समृद्ध ज्ञान परंपरा का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारा देश नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे महान शिक्षा केंद्रों का धनी रहा है और चिकित्सा व अध्यात्म दोनों क्षेत्रों में विश्व गुरु के रूप में स्थापित रहा है। आयुर्वेद को ऋग्वेद का उपवेद बताते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में सर्वे भवन्तु सुखिन : का भाव सदैव विद्यमान रहा है।

मासूम से हैवानियत, बोरे में बंद मिली 5 वर्षीय बच्ची

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले के उतई थाना क्षेत्र में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां 5 वर्षीय मासूम बच्ची कुएं के किनारे एक बोरे में बंद अवस्था में मिली। बच्ची का मुंह तकिया के कवर से बंधा हुआ था। इस घटना से पूरे इलाके में हड़कंप मच गया है और ग्रामीणों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बच्ची दोपहर से अपने घर से लापता थी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिल पाया। इसी दौरान गांव के कुछ लोगों की नजर एक खंडहर मकान के पास स्थित कुएं के किनारे पड़े एक संदिग्ध बोरे पर पड़ी, जिसमें हलचल हो रही थी। शक होने पर जब ग्रामीणों ने बोरे को खोला तो सभी के होश उड़ गए— अंदर लापता बच्ची बंद मिली।

ग्रामीणों ने तत्काल बच्ची को बोरे से बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। बच्ची के मुंह को तकिया कवर से कसकर बांधा गया था, जिससे उसकी हालत गंभीर हो गई थी। तत्काल उसे अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। डॉक्टरों के मुताबिक बच्ची डरी–सहमी हुई है और उसकी स्थिति नाजुक बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही उतई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी की टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया। जांच के दौरान बच्ची की एक चप्पल नाली में मिली, जिसे पुलिस ने साक्ष्य के रूप में जब्त कर लिया है। पुलिस ने मामले में एक संदिग्ध को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन और अन्य तकनीकी पहलुओं की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया है कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यह घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बनी हुई है। स्थानीय लोग बच्ची के जल्द स्वस्थ होने की दुआ कर रहे हैं, वहीं प्रशासन पर जल्द कार्रवाई का दबाव भी बढ़ता जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जल्द ही पूरे मामले का खुलासा कर दिया जाएगा।

कुश्ती का महासंग्राम : पहला दिन बालिका वर्ग की पहलवानों के नाम – विजय

साइकिल पोलो मैदान में जारी है कुश्ती के दांवपेंच, आज होगा बालकों का मुकाबला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

जिले के सांसद विजय बघेल के नेतृत्व में राष्ट्रीय अंडर 20 कुश्ती महासंग्राम का भव्य आयोजन छत्तीसगढ़ में प्रथम बार हो रहा हैं।' इस आयोजन का शुभारंभ शुक्रवार को हमारे आराध्य हनुमान जी की चालीसा व हनुमान अभिषेक के मंत्रो के उच्चारण कर किया गया।' छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कथावाचक कान्हा जी महाराज के श्रीकंठ से संम्पन्न हुआ।' इसके पश्चात सांसद विजय बघेल के मार्गदर्शन पर छत्तीसगढ़ की भूमि में पधारे अतिथिगण भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद ब्रिजभूषण शरण सिंह,

रमापति राम त्रिपाठी भाजपा पूर्व प्रदेश अध्यक्ष यूपी, संजय सिंह भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष, जय प्रकाश ओलम्पियन नरसिंघ पंचम यादव, एस पी देसवाल का भिलाई के प्रमोद सिंह, जी सुरेश बाबे, गोपाल वर्मा, डॉ रमेश श्रीवास्तव,विश्वरतन सिन्हा,सुधीर बंसल,शारदा गुप्ता, विनोद उपाध्याय, गोपाल बिष्ट, सुभाष साव,रजनीकांत अग्रवाल,भूषण अग्रवाल, श्रीकांत ताम्रकार, निशु पाण्डेय जैसे गणमान्य लोगों ने अतिथियों का स्वागत किया।'

इस महासंग्राम में अपने आप को पहलवानी में कुशल साबित करने पूरी ताकत से लड़ रही थी बालिकाओं द्वारा कुश्ती में उपयोग किये दाव पेंच देखते ही बन रहें थे।' बालिकाओं की अपने खेल के प्रति समर्पण, निष्ठा एवं क्षमता को देख सांसद विजय बघेल ने सभी बालिकाओं को छत्तीसगढ़ की वीरांगना अवन्ति बाई की उपाधि दी।'

अधिक जानकारी देते हुये निशु पाण्डेय ने बताया की हरियाणा की टीम ने दंगल कुश्ती में बेहतरीन दांवपेंच, मजबूत पकड़ और शानदार तकनीक का प्रदर्शन करते हुए 230 अंकों के साथ ओवरऑल चैंपियन का खिताब अपने नाम किया। उनके पहलवानों ने हर मुकाबले में आक्रामक खेल दिखाते हुए प्रतिद्वंद्वियों को चित कर बढ़त बनाए रखी।

महाराष्ट्र की टीम ने भी जोरदार मुकाबले लड़े और अपने दांव, पलटवार (काउंटर अटैक) तथा संतुलित रक्षा के दम पर 141 अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं उत्तर प्रदेश के पहलवानों ने ताकत और तकनीक का अच्छा मेल दिखाते हुए 125 अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया।

मेजबान छत्तीसगढ़ की टीम ने भी अपने अखाड़े में पूरी जुझारू भावना के साथ मुकाबले किए, हालांकि उन्हें कड़े दांवपेंचों और अनुभवी पहलवानों के सामने संघर्ष करना पड़ा। टीम को कुल 22 अंक मिले और वह 14वें स्थान पर रही। छत्तीसगढ़ के पहलवानों ने 57 किलोग्राम, 65 किलोग्राम और 72 किलोग्राम भार वर्ग में अपने दांव आजमाए, जहां उन्होंने पकड़, दांव, बचाव और पलटवार की तकनीकों का प्रदर्शन किया। इस अवसर परभूपेंद्र यादव, देवेंद्र यादव देवेंद्र (दिलबर) ,जग्गनाथ पहलवान, प्रशांत राय,लक्ष्मण पहलवान,बिरेन्दर यादव पहलवान आदि उपस्थित थे।'

भाजपा ओबीसी मोर्चा की प्रथम परिचयात्मक बैठक में संगठन मजबूती पर हुआ मंथन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

भारतीय जनता पार्टी के ओबीसी (पिछड़ा वर्ग) मोर्चा की घोषणा के बाद पहली परिचयात्मक बैठक जिला भाजपा कार्यालय, दुर्ग में संपन्न हुई। बैठक में जिला भाजपा अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक मुख्य रूप से उपस्थित रहे, जबकि अध्यक्षता पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा ने की।

बैठक में नव-नियुक्त पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का परिचय कराया गया और संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत बनाने के लिए रणनीति पर विस्तृत चर्चा हुई। इस दौरान भाजपा जिला महामंत्री दिलीप साहू, उपाध्यक्ष मनोज सोनी, मीडिया प्रभारी राजा

महोबिया, आईटी सेल संयोजक जितेंद्र सिंह राजपूत, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य प्रकाश साहू, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष तृप्ति चंद्राकर सहित कई पदाधिकारी उपस्थित रहे।

जिला अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि ओबीसी मोर्चा संगठन का महत्वपूर्ण अंग है और इसकी सक्रियता से पार्टी की जड़ें और अधिक मजबूत होंगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि सेवा, समर्पण और संगठन की भावना के साथ गांव-गांव एवं वार्ड-वार्ड तक पार्टी की विचारधारा पहुंचाएं। साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक पहुंचाने पर जोर दिया।

वहीं, मोर्चा के जिला अध्यक्ष तेखन सिन्हा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी सदैव पिछड़ा वर्ग के उत्थान और सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध रही है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से संगठन विस्तार, सामाजिक समरसता और अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया।

बैठक को जिला महामंत्री दिलीप साहू ने संगठनात्मक विषयों पर और मीडिया प्रभारी राजा महोबिया ने तकनीकी एवं सोशल मीडिया के उपयोग पर मार्गदर्शन दिया।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री सुरेंद्र साहू ने किया, जबकि आभार प्रदर्शन जिला उपाध्यक्ष ओ.पी. रजक ने किया। बैठक में विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष, महामंत्री, पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें दिनेश देशमुख, सुखदेव देवांगन, कमलेश हिरवानी, धर्मेंद्र सोनकर, मलखान सिंह लोधी, भारतेंदु गौतम, संदीप कहार, गौरव मढारिया, रमेश वर्मा, चेतन (चिंटू) सिन्हा सहित अनेक कार्यकर्ता शामिल थे।

खास खबर

खुर्सीपार आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण और पढ़ाई कार्यक्रम का सफल आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सामाजिक योगदान में अग्रणी संस्था गोल्डन एम्पथी (जीई) फाउंडेशन की ओर से गुरुवार को खुर्सीपार जोन-3, वार्ड 48 स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में पोषण और पढ़ाई कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कुल 11 आंगनबाड़ी केंद्रों से आए गंभीर एवं मध्यम कुपोषित बच्चों को, जो अपने अभिभावकों के साथ उपस्थित थे, विभिन्न आवश्यक सामग्रियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों को सुपोषण किट, प्रोटीन पाउडर, चरणपादुका (चप्पल) तथा मेरी पहली पुस्तक प्रदान की गई, ताकि उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास को प्रोत्साहन मिल सके। इस पहल का मुख्य उद्देश्य बच्चों के पोषण स्तर में सुधार के साथ-साथ उनमें शिक्षा के प्रति रुचि विकसित करना है।

इस अवसर पर जीई फाउंडेशन के संयोजक प्रदीप पिल्लई ने बताया कि पोषण और पढ़ाई कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों के लिए पढ़ाई से जुड़ी पुस्तकें उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे वे प्रारंभिक अवस्था से ही सीखने की ओर प्रेरित हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि संस्था भविष्य में भी इस तरह के सामाजिक कार्यों को निरंतर जारी रखेगी। कार्यक्रम में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं में सोमा चौरसिया, संजू कश्यप, अनीता मित्रा, पुष्पा छाबड़ा, माधुरी देवी, सुजाता वैद्य, संतोषी लहरे, सिमकी बेन, संजू कुमारी, कंचन एवं मंजू दिवाकर उपस्थित रहीं। वहीं सहायिकाओं में नमिता साहू, पूजा कपूर, जगदम्बा तथा पुष्पा साहू की सक्रिय सहभागिता रही। साथ ही जीई फाउंडेशन की ओर से प्रकाश देशमुख एवं अजीत सिंह भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे और उन्होंने इस पहल को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में उपस्थित अभिभावकों एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने इस पहल की सराहना की और इसे बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

दुर्ग शहर के वार्डों में पहुंचे शिक्षामंत्री गजेन्द्र यादव, लोगों से मिलकर सुनी उनकी समस्या

समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए मंत्री संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शहर विधायक एवं केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव प्रतिदिन सुबह दुर्ग विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न वार्डों में पहुंचकर आम नागरिकों से सीधे संवाद कर रहे है और उनकी समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित विभाग के अधिकारीयों को आवश्यक दिशा निर्देश दे रहे है। उन्होंने बीते दिनों वार्ड 01, वार्ड 02, वार्ड 04, वार्ड 37 और वार्ड 38 पहुंचकर क्षेत्र मे विकास कार्यो का जायजा लिया।

केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव वार्ड भ्रमण के दौरान नागरिकों ने उनके सामने सीमेंटीकरण सड़क, नाली निर्माण, भवन निर्माण एवं शुद्ध पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं की मांग रखी। जिस पर उन्होंने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और सभी कार्य समयसीमा में पूर्ण किए जाएं।

शिक्षा, ग्रामोद्योग एवं विधी विधायी मंत्री गजेन्द्र यादव ने गयानगर वार्ड क्रमांक 04 एवं राजीवनगर वार्ड क्रमांक 02 में भी वार्डवासियों के बीच पहुंचकर संवाद किये। उन्होंने क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए सड़क संधारण, भवन निर्माण एवं अन्य मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़ी समस्याओं को सुना और इसके वार्ड में बन रहे मांगलिक भवन का निरिक्षण कर कार्य की प्रगति की जानकारी लिए और सभी कार्य गुणवत्तापूर्ण करने निर्देश दिए और समयसीमा में भवन पूर्ण करने कहा ताकी जनता को सौगात प्रदान किया जा सके। करोड़ों की लागत से बन रहा यह भवन आम नागरिकों को बड़ी राहत मिलेगी। शादी ब्याह और सुख दुःख के कार्यक्रम के लिए सुविधायुक्त भवन मिलेगा।

इसके साथ ही पंचशील नगर वार्ड क्रमांक 01 में भी उन्होंने वार्डवासियों से मुलाकात कर उनकी समस्याओं की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को निरीक्षण कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि आमजन को जल्द से जल्द राहत मिल सके।

मंत्री श्री यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार जनता की समस्याओं के समाधान और नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि दुर्ग विधानसभा के प्रत्येक वार्ड का समग्र विकास सुनिश्चित करना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर सभापति श्याम शर्मा, मंडल अध्यक्ष कमलेश फेकर, पार्षद श्रीमती लीना देवांगन, नरेंद्र बंजारे, मनीष कोठारी, गोविन्द देवांगन, दिनेश देवांगन, श्रीमती ममता देवांगन, अमित पटेल, नवीन साहू, मंडल अध्यक्ष महेंद्र लोढ़ा, पार्षद रामचंद्र सेन, शिव नायक सहित बड़ी संख्या में वार्डवासी उपस्थित रहे।

बीएसपी के ओर हैंडलिंग प्लांट और सिंटर प्लांट्स-3 के मध्य वॉलीबॉल टूर्नामेंट का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट एवं सिंटर प्लांट्स-3 के कर्मचारियों एवं ठेका कर्मियों के मध्य विगत दिनों एक वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य कर्मचारियों के बीच संवाद स्तर में सुधार, पारस्परिक समन्वय को सुदृढ़ करना तथा कार्यस्थल से संबंधित समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु सहयोगात्मक वातावरण विकसित करना था।

यह पहल मुख्य महाप्रबंधक सजीव वर्गीस के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। टूर्नामेंट का उद्घाटन कार्यपालक निदेशक पवन कुमार द्वारा किया गया। कार्यक्रम के दौरान ठेका कर्मियों को कार्यस्थल पर संभावित खतरों एवं जोखिमों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से एक सुरक्षा लघु नाटिका का मंचन भी किया गया। इस नाटिका के माध्यम से असुरक्षित कार्य व्यवहार को रोकने, सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा जोखिमों को समाप्त करने के उपायों पर प्रभावी ढंग से प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष राहुल बिजुरकर, महाप्रबंधक मनीष सिंह, महाप्रबंधक संजय शर्मा, महाप्रबंधक संजय द्विवेदी, महाप्रबंधक सुश्री के. सुपर्णा, उप महाप्रबंधक विवेक श्रीवास्तव तथा उप महाप्रबंधक प्रशांत जैन सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

यातायात जवानों को बांटे गमछा व पानी की बोतल

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिले में बढ़ती भीषण गर्मी को देखते हुए पुलिस उपमहानिरीक्षक/वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दुर्ग द्वारा यातायात में तैनात जवानों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के लिए विशेष पहल की गई। शुक्रवार को शहर के विभिन्न चौक-चौराहों पर ड्यूटी कर रहे यातायात पुलिस कर्मियों को धूप से बचाव हेतु सफेद गमछा एवं ठंडा पानी रखने के लिए पानी की बोतल वितरित की गई।

पुलिस प्रशासन द्वारा दी गई इस राहत सामग्री का उद्देश्य तेज धूप और गर्म हवाओं के बीच लगातार ड्यूटी कर रहे जवानों को गर्मी से बचाव और राहत प्रदान करना है। इस दौरान अधिकारियों ने सभी जवानों को निर्देशित किया कि वे ड्यूटी के दौरान नियमित अंतराल में पानी पीते रहें, अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें तथा किसी भी प्रकार की अस्वस्थता महसूस होने पर तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को सूचित करें।

अधिकारियों ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जवानों का स्वस्थ रहना बेहद आवश्यक है। इसलिए उनकी कार्यक्षमता और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हुए यह पहल की गई है। यातायात पुलिस दुर्ग के अधिकारियों और कर्मचारियों के समन्वय से सामग्री वितरण का कार्य सुव्यवस्थित रूप से संपन्न कराया गया, जिसकी सराहना की जा रही है। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि भीषण गर्मी के दौरान अनावश्यक रूप से धूप में बाहर निकलने से बचें, पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें तथा यातायात नियमों का पालन करते हुए सुरक्षित यात्रा करें।

बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों व कार्यकारिणी सदस्यों ने की मुख्य महाप्रबंधक टीआर बेहरा से औपचारिक मुलाकात

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

शुक्रवार को बीएसपी अनाधिशासी कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग के मुख्य महाप्रबंधक, टीआर बेहरा से शिष्टाचार भेंट एवं औपचारिक मुलाकात की गई।

इस अवसर पर संघ के नवगठित पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी का परिचय प्रस्तुत करते हुए संगठन के उद्देश्यों एवं कार्यदिशा से अवगत कराया गया। संघ की ओर से यह स्पष्ट किया गया कि बीएकेएस सदैव कर्मचारियों की समस्याओं को प्रबंधन के समक्ष रचनात्मक एवं प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के साथ-साथ संयंत्र में सुरक्षा सुदृढ़ीकरण एवं उत्पादन वृद्धि हेतु सकारात्मक

भूमिका निभाने के लिए प्रतिबद्ध है।

बैठक के दौरान कोक ओवन विभाग से संबंधित विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई, जिनमें शौचालय एवं रेस्ट रूम की अपर्याप्त व्यवस्था, मशीनों के संचालन हेतु समुचित प्रशिक्षण का अभाव, पेयजल की समस्या, जर्जर सड़कों की स्थिति, एचएमआई सिस्टम की अनुपलब्धता, कैंटीनों में साफ-सफाई एवं भोजन की गुणवत्ता, तथा कंट्रोल रूम में इमरजेंसी एग्जिट की आवश्यकता जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। सीजीएम ने सभी बिंदुओं को गंभीरता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ संज्ञान में लेते हुए आवश्यक एवं यथोचित कार्यवाही का आश्वासन प्रदान किया गया।

इसके अतिरिक्त, कर्मचारियों के प्रोत्साहन, प्रशिक्षण एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने के विषय को भी संघ द्वारा प्रमुखता से रखा गया, जिस पर सीजीएम ने सहमति व्यक्त करते हुए इसे आवश्यक बताया। इस अवसर पर अमर सिंह (अध्यक्ष), किशोर कुमार साव (महासचिव), टिकेन्द्र पटेल (उपकोषाध्यक्ष) के साथ कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण चाफले, विजय बहादुर सिंह, श राकेश बोरगरिहा, अमरेश ढूंढरे एवं सदस्यगण राकेश साहू, बसंत सिन्हा, दीनानाथ महतो, ओम प्रकाश पासवान, बालक दास, मुकेश ठाकुर उपस्थित रहे।

मनरेगा व पीएम आवास कार्यों की समीक्षा, जल संरक्षण पर दिया जोर

मोर गांव मोर पानी अभियान के तहत कार्यों में गति लाने के दिए गए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जिला पंचायत सभा कक्ष, दुर्ग में मुख्य कार्यपालन अधिकारी बजरंग कुमार दुबे द्वारा महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) एवं प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रगतिरत निर्माण कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी कार्यक्रम अधिकारी, तकनीकी अधिकारी एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में मोर गांव मोर पानी महाअभियान के तहत वर्षा जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए गए। मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने कहा कि वर्षा की प्रत्येक बूंद को संरक्षित करने के उद्देश्य से जल संग्रहण आधारित कार्यों को अधिक से अधिक स्वीकृत कर शीघ्र

पूर्ण किया जाए।

उन्होंने निर्देशित किया कि समस्त ग्राम पंचायतों में प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत हितग्राहियों द्वारा स्वप्रेरणा से सोक पिट का निर्माण कराया जाए। साथ ही मनरेगा के अंतर्गत कम लागत एवं प्रभावी परिणाम देने वाले सोक पिट एवं जल संरक्षण कार्यों को प्राथमिकता से चयनित कर समय-सीमा में पूर्ण किया जाए।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया कि मनरेगा अंतर्गत ग्राम पंचायतों में कार्यों का चयन मांग आधारित हो तथा श्रमिकों को अधिकाधिक रोजगार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत सरकार के निर्देशानुसार योजना अंतर्गत कार्यरत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी अनिवार्य रूप से पूर्ण कराते हुए उसका समयबद्ध अपलोड सुनिश्चित किया जाए। समीक्षा के दौरान निर्माण कार्यों की जियो-टैगिंग में तेजी लाने, लंबित प्रस्तावों को नियमानुसार प्रस्तुत कर शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में सामाजिक अंकेक्षण अंतर्गत लंबित निकासी बैठकों को शीघ्र आयोजित कर एटीआर अपलोड करने के निर्देश दिए गए। जानकारी अनुसार जिला दुर्ग में 50, जनपद पंचायत पाटन में 16 एवं जनपद पंचायत धमधा में 55 निकासी बैठकें लंबित हैं, जिन्हें तत्काल पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त प्रधानमंत्री आवास योजना एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माण कार्यों में गति लाने तथा मनरेगा के माध्यम से हितग्राहियों को 90 दिवस का रोजगार उपलब्ध कराना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

प्रथम चरण के प्रचार-प्रसार के लिए दुर्ग में व्यापक अभियान हुआ शुरू

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के सफल क्रियान्वयन हेतु नगर पालिक निगम दुर्ग क्षेत्र में व्यापक जनजागरूकता अभियान शुरू कर दिया गया है। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार छत्तीसगढ़ में स्व-गणना का कार्य 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक तथा मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना 1 मई से 30 मई 2026 तक संपन्न की जाएगी।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि जनगणना जैसे महत्वपूर्ण कार्य की सफलता के लिए आमजन की जागरूकता और सक्रिय सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नगर निगम द्वारा विभिन्न माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा

है। अभियान के तहत कचरा संग्रहण वाहनों में लगाए गए ऑडियो सिस्टम के माध्यम से जनगणना संबंधी संदेश प्रसारित किए जाएंगे। इसके अलावा शासकीय कार्यालयों, संस्थानों के एलईडी डिस्प्ले एवं नोटिस बोर्ड पर जनगणना से जुड़े वीडियो, स्लोगन और अन्य जानकारी प्रदर्शित की जाएगी।

शहर के प्रमुख चौक-चौराहों और ट्रैफिक सिग्नलों पर भी सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए आम नागरिकों तक संदेश पहुंचाया जाएगा। वहीं स्थानीय केबल नेटवर्क और जिला स्तरीय सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का उपयोग कर भी व्यापक स्तर पर जानकारी साझा की जाएगी। इसके साथ ही प्रिंट मीडिया, होर्डिंग्स, बैनर आदि के माध्यम से स्कूलों, बस स्टैंड, ग्राम पंचायतों सहित सार्वजनिक स्थलों पर प्रचार-प्रसार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके।

प्रशासन द्वारा संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि निर्धारित समयसीमा को ध्यान में रखते हुए सभी गतिविधियों को त्वरित और प्रभावी ढंग से संचालित करें, ताकि जनगणना का कार्य सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

कर्म ही सच्ची पूजा का संदेश देता है श्रीमद्भागवत : मुख्यमंत्री साय

श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए मुख्यमंत्री, प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए की प्रार्थना

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड स्थित श्रीराम मंदिर परिसर में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा में शामिल हुए। उन्होंने व्यास पीठ पर विराजमान हिमांशु कृष्ण भारद्वाज द्वारा कही जा रही श्रीमद्भागवत कथा का श्रद्धापूर्वक श्रवण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि श्रीमद्भागवत का मूल संदेश यही है कि कर्म ही सच्ची पूजा है। उन्होंने कहा कि हमें सच्चाई और निष्ठा के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर रहकर मानव जीवन को सार्थक बनाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने श्रीराम मंदिर में भगवान के दर्शन कर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमद्भागवत कथा में भगवान श्री कृष्ण की बाललीला के अंतर्गत माखनचोरी के प्रसंग का भक्तिभाव के साथ श्रवण किया। उल्लेखनीय है कि श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन श्रीराम मंदिर परिसर में 6 अप्रैल से 12 अप्रैल तक किया जा रहा है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कथा के समापन अवसर पर भगवान बांके बिहारीलाल की आरती-पूजन में भी शामिल हुए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मानव जीवन अत्यंत दुर्लभ है। उन्होंने कहा कि हमें दूसरों के लिए जीते हुए अपने जीवन को सार्थक बनाना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ प्रभु श्री राम का ननिहाल और माता कौशल्या का मायका है। प्रभु श्री राम ने अपने वनवास का अधिकांश समय छत्तीसगढ़ में बिताया। उन्होंने कहा कि लगभग पांच हजार वर्ग किलोमीटर में फैला अबूझमाड़ का जंगल ही दंडकारण्य क्षेत्र है और शिवरीनारायण माता शबरी की पावन भूमि है। गुरु घासीदास जैसे महान संतों की जन्मभूमि होने के कारण छत्तीसगढ़ एक धार्मिक और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध प्रदेश है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ईश्वर के आशीर्वाद से आज छत्तीसगढ़ नक्सलमुक्त हो रहा है और निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित प्रभु श्री रामलला दर्शन योजना के तहत छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं को अयोध्याधाम के दर्शन कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 42 हजार भक्त रामलला के दर्शन कर चुके हैं तथा 5 हजार से अधिक बुजुर्गजन देश के विभिन्न तीर्थस्थलों के दर्शन कर चुके हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि धर्मांतरण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए छत्तीसगढ़ में धर्म स्वातंत्र्य कानून लागू किया गया है। इस कानून के अंतर्गत देश के अन्य राज्यों की तुलना में कठोर प्रावधान किए गए हैं, जिससे निश्चित रूप से अवैध धर्मांतरण पर रोक लगेगी। उन्होंने कहा कि गौ माता के संरक्षण और संवर्धन के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा सुरभि गौधाम योजना लागू की गई है, जिसके तहत गौधामों में गौमाता के लिए चारा सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

इस अवसर पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम, स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल, कौशल विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, विधायक पुरंदर मिश्रा, हिमांशु द्विवेदी, सुनील रामदास अग्रवाल सहित श्रीमद्भागवत कथा के आयोजक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

खास खबर

सेवा और समर्पण का प्रेरक दस्तावेज है यह कृति : मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में पद्मश्री जागेश्वर यादव के जीवन पर आधारित पुस्तक बिरहोर जननायक का विमोचन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुस्तक के लेखक डॉ. लोकेश पटेल को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि पद्मश्री जागेश्वर यादव का जीवन संघर्ष, सेवा और समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने कहा कि उनका संपूर्ण जीवन समाज के प्रति समर्पित रहा है और उनके कार्य विशेष रूप से जनसेवा के क्षेत्र में कार्य करने वाले लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि जशपुर जिले में बिरहोर के भाई के रूप में विख्यात जागेश्वर यादव ने बिरहोर आदिवासी समाज के उत्थान के लिए जो कार्य किए हैं, वे अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने कहा कि उनका सरल व्यक्तित्व और समाज के प्रति अटूट प्रतिबद्धता यह दर्शाती है कि सच्चा नेतृत्व सेवा और संवेदनशीलता से ही जन्म लेता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बिरहोर जननायक पुस्तक उनके संघर्ष, समर्पण और सेवा की उस प्रेरक यात्रा को सामने लाती है, जो नई पीढ़ी को समाज के प्रति जागरूक और उत्तरदायी बनने की दिशा देती है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह कृति पाठकों को न केवल प्रेरित करेगी, बल्कि समाज के प्रति सकारात्मक सोच विकसित करने में भी सहायक होगी। इस अवसर पर पुस्तक के लेखक डॉ. लोकेश पटेल ने बताया कि इस पुस्तक की रचना आदिम जनजातियों, विशेषतः बिरहोर समुदाय के सर्वांगीण विकास के लिए श्री जागेश्वर यादव द्वारा किए गए समर्पित प्रयासों से प्रेरित है। उन्होंने कहा कि इस कृति में उनके जीवन संघर्ष, सामाजिक योगदान और मानवीय दृष्टिकोण को विस्तार से प्रस्तुत किया गया है।

खाद वितरण में गड़बड़ी : दो दुकानों पर 21 दिन की बिक्री पर रोक

बिलासपुर। जिले के तखतपुर विकासखंड में खाद वितरण में गंभीर अनियमितता सामने आने पर कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम ने बड़ी कार्रवाई की है। जांच में स्टॉक और मशीन रिकॉर्ड में अंतर पाए जाने पर दो खाद दुकानों की बिक्री पर 21 दिनों के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है।

कृषि विभाग की उड़नदस्ता टीम द्वारा तखतपुर विकासखंड में संचालित दो खाद दुकानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए खाद वितरण में बड़ी गड़बड़ी पकड़ी गई है। जांच के दौरान दुकानों के पास मशीन और भौतिक स्टॉक में भारी अंतर पाया गया, जिसके चलते दोनों केंद्रों को 21 दिनों के लिए खाद बिक्री से प्रतिबंधित कर दिया गया है। उप संचालक कृषि पीडी हथेश्वर ने बताया कि आगामी खरीफ सीजन में किसानों को खाद, बीज और कीटनाशक की सुचारु उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा उर्वरकों की कालाबाजारी रोकने के उद्देश्य से जिला स्तर पर उड़नदस्ता दल का गठन किया गया है। इसी कड़ी में तखतपुर क्षेत्र के मेसर्स किसान सेवा केंद्र और मेसर्स अमन कृषि केंद्र का औचक निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान किसान सेवा केंद्र में मशीन स्टॉक में यूरिया 750 बोरी दर्ज थी, जबकि भौतिक रूप से 550 बोरी ही पाई गई। वहीं 200 बोरी स्टॉक बिना मशीन में दर्ज किए रखी गई थी। इसी तरह अमन कृषि केंद्र में मशीन रिकॉर्ड में 1679 बोरी यूरिया दर्शाई गई, जबकि मौके पर स्टॉक नहीं मिला। दोनों प्रतिष्ठानों में उर्वरक भंडारण और वितरण का निर्धारित रजिस्टर भी संधारित नहीं पाया गया। इसे उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 का उल्लंघन मानते हुए संबंधित दुकानों को कारण बताओ नोटिस जारी कर आगामी 21 दिनों के लिए विक्रय पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। श्री हाथेश्वर ने स्पष्ट किया है कि किसानों के हितों से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

प्रकृति में जनजातीयों की अटूट आस्था, देवी-देवताओं के वास से जल जंगल का हो रहा संरक्षण व संवर्धन : नेताम

कॉमन्स संवाद सम्मेलन में विशेषज्ञों ने सामुदायिक शासन पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि देश के लगभग सभी राज्यों में जनजातीय समुदाय के लोग निवास करते हैं। उन्होंने कहा कि 2011 की जनगणना के अनुसार देश में 10 करोड़ से अधिक जनजातीय समुदाय हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीयों का जल, जंगल, जमीन, नदी-नालों और पहाड़ों में अटूट आस्था है। जनजातीय समुदाय पेड़ पौधों, नदी-नालों में देवी-देवताओं का वास मानते हैं और इन्ही संस्कृति और परंपराओं के कारण वनवासी समुदाय प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन में पहले पायदान पर है।

मंत्री श्री नेताम ने आज नवा रायपुर स्थित जनजातीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित दो दिवसीय राज्य-स्तरीय संवाद सम्मेलन छत्तीसगढ़ कॉमन्स ब्रिनिंग के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सामुदायिक संसाधनों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए गहन मंथन हुआ है। इस मंथन में जो भी तथ्य निकलकर आएंगे उसकी उपयोगिता नीति निर्माण और जनहित में कैसी होगी इसके लिए हमारी सरकार तत्परता के साथ काम करेगी।

श्री नेताम ने कहा कि पेसा (पंचायत उपबंध अधिनियम) और एफआरए (वनाधिकार अधिनियम) के क्रियान्वयन के दौरान आने वाली व्यावहारिक चुनौतियों, विशेष रूप से सीमाओं के निर्धारण (डिमार्केशन ऑफ बॉउंड्रिस) जैसी समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने की बात कही। उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों के प्रति उत्तरदायित्व का भाव जागृत करते हुए कहा, हम केवल इन साझा संसाधनों के उपयोगकर्ता ही नहीं, बल्कि इनके संरक्षक भी हैं, और हमारा उपभोग केवल अपनी वास्तविक आवश्यकताओं की पूर्ति तक ही सीमित होना चाहिए। इस टास्क फोर्स का मुख्य उद्देश्य राज्य भर में जनजातीय कल्याण से जुड़ी नीतियों के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को दूर करना और समुदायों को उनके अधिकार दिलाना है।

आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने कहा कि यह टास्क फोर्स विशेष रूप से पेसा और वनाधिकार अधिनियम के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करेगी। उन्होंने कहा कि हमारी विरासत में जनजातीय बोली, भाषा, समुदायिक नेतृत्व समृद्ध है। जल, जंगल, जमीन के संरक्षण व संवर्धन में इन जनजातीयों का महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि प्रकृति के प्रति उनके ज्ञान, उनका उद्देश्य, जल जंगल से जुड़े हुए हैं। उनका रिश्ता प्रकृति से है। वे प्रकृति को मां के रूप में, देवता के रूप में पूजते हैं। उनके दैनिक क्रियाकलापों से लेकर मृत्यु तक के उत्सव प्रकृति के संरक्षण में सहायक सिद्ध होती है।

श्री बोरा ने कहा कि इन दो दिनों तक चले अधिवेशन में छत्तीसगढ़ और अन्य राज्यों के 300 से अधिक प्रतिभागियों, नीति विशेषज्ञों, शोधकर्ताओं और ग्राम प्रमुखों ने भाग लिया। चर्चा का मुख्य केंद्र राज्य की 70 लाख एकड़ कॉमन्स भूमि (जंगल, चारागाह और जल निकाय) रही, जो ग्रामीण और जनजातीय आबादी की जीवन रेखा है। उन्होंने कहा कि पीएम जनमन योजना, धरतीआबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, नियद नेल्ला नार जैसे विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनजातीय क्षेत्रों एवं जनजातीय समुदाय के सम्पूर्ण विकास के साथ ही प्रकृति के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में काम कर रहे हैं। आगे भी सामुदायिक सहयोग से बेहतर दिशा में काम किया जाएगा।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक वी. श्रीनिवास राव ने जोर दिया कि सामुदायिक सहयोग के बिना विशाल वनों और जैव विविधता की रक्षा संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि राज्य की वन नीतियां प्रतिबंधात्मक नहीं, बल्कि विनियामक हैं।

मनरेगा आयुक्त तारण प्रकाश सिन्हा ने कहा कि जल संरक्षण जनजातीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। उन्होंने मनरेगा के माध्यम से वंचित समुदायों को जल प्रबंधन में जोड़ने पर बल दिया। रायपुर कलेक्टर गौरव सिंह ने रेखांकित किया कि जल संरक्षण कोई रॉकेट साइंस नहीं है, बल्कि यह सदियों के अनुभव से उपजा सामुदायिक ज्ञान है।

सम्मेलन में नेल्सन मंडेला पुरस्कार विजेता शेर सिंह आंचला, पद्म पांडी राम मंडावी, पद्मश्री जगेश्वर यादव और गौर मारिया कलाकार सुश्री लक्ष्मी सोरी, इंदु नेताम ने भी अपने अनुभव साझा किए और संसाधनों के संरक्षण की अपील की। कार्यक्रम को सफल बनाने में अपर संचालक संजय गौड़, टीआरटीआई की संयुक्त संचालक श्रीमती गायत्री नेताम की विशेष योगदान रही। यह कार्यक्रम आदिम जाति विकास विभाग, टीआरटीआई और फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी द्वारा प्रॉमिस ऑफ कॉमन्स पहल के तहत संयुक्त रूप से आयोजित किया गया था। इसमें यूएनडीपीए आईआईटी-भिलाई, बीआरएलएफ, एक्सिस बैंक फाउंडेशन और अन्य प्रमुख संस्थान सहयोगी रहे।

खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने टूर्नामेंट आवश्यक : साव

उप मुख्यमंत्री गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट के समापन समारोह में हुए शामिल

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री तथा खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अरुण साव रायपुर के जोरा स्थित इंटरनेशनल टेनिस स्टेडियम में आयोजित गोंडवाना कप ऑल इंडिया टेनिस टूर्नामेंट-2026 के समापन समारोह में शामिल हुए। उन्होंने मिश्रित और एकल के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार प्रदान किए।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में गोंडवाना कप का आयोजन अनेक वर्षों से हो रहा है। प्रदेश में लगातार खेल प्रतियोगिताएं होने से खिलाड़ियों को बेहतर अवसर मिलता है और अच्छे खिलाड़ी निकल कर आते हैं। टूर्नामेंट में 20 राज्यों के 120 खिलाड़ियों का भाग लेना इसकी सफलता को बताता है। श्री साव ने कहा कि खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए खिलाड़ी टूर्नामेंट आवश्यक हैं। इसके बिना खेल और खिलाड़ी दोनों आगे नहीं बढ़ सकते। गोंडवाना कप जैसी प्रतियोगिताएं लगातार होने चाहिए।

महिला डबल्स के फाइनल मुकाबले में शताक्षी चौधरी और अनन्या जैन (उत्तर प्रदेश) की जोड़ी ने स्निग्धा पाटिबंडला और इरम जैदी को 3-6, 6-3, 10-7 से हराकर खिताब जीता। वहीं पुरुष डबल्स में निरव शेट्टी और अनुप बंगार्गी (महाराष्ट्र) की जोड़ी ने प्रसाद इंगाले और परितोष पवार को 6-2, 6-4 से हराया। वहीं महिला एकल में राजस्थान की आयुषी तनवार ने उत्तरप्रदेश की शताक्षी चौधरी को 2-6, 6-2, 6-2 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष एकल में तेलंगाना के नैशिक रेड्डी गनागामा ने महाराष्ट्र के प्रसाद इंगाले को 7-6 (7-4), 6-3 से हराकर विजेता बने। उप मुख्यमंत्री श्री साव ने सभी विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की। समापन समारोह में एआईटीए के महासचिव अनिल धुपर, स्टेट टेनिस एसोसिएशन के अध्यक्ष और हरिभूमि के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी, गुरुचरण सिंह होरा, उपाध्यक्ष नरेश गुप्ता और आशीष सराफ सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी एवं खेलप्रेमी मौजूद थे।

24-26 अप्रैल तक खेल मंत्रियों का चिंतन शिविर

श्री साव ने बताया कि 24 अप्रैल से 26 अप्रैल तक श्रीनगर में चिंतन शिविर का आयोजन हो रहा है। इसमें सभी राज्यों के खेल मंत्री और भारत सरकार के मंत्री व अधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 2047 में जब देश आजादी के 100 वर्ष पूरा करे तो देश विकसित बने, इसके साथ ही खेल के क्षेत्र में भी भारत दुनिया में अग्रणी देश बने, इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए योजना बनाकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में काम हो रहा है। निश्चित रूप से इस चिंतन शिविर से बड़ा लाभ होगा।

विधायक ललित चंद्राकर ने किया माताजी के वार्षिक श्राद्ध पर नमन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

दुर्ग ग्रामीण विधायक एवं राज्य ग्रामीण एवं अन्य पिछड़ा वर्ग क्षेत्र विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष ललित चंद्राकर की पूज्य माताजी स्वर्गीय श्रीमती पूणिर्मा चंद्राकर जी के वार्षिक श्राद्ध के अवसर पर उनके निवास में श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान सामाजिक, राजनीतिक एवं प्रशासनिक क्षेत्रों से जुड़े अनेक सम्माननीय नागरिक, जनप्रतिनिधि एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने स्वर्गीय पूणिर्मा चंद्राकर जी के तैलचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की।

कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने स्वर्गीय पूणिर्मा चंद्राकर जी के व्यक्तित्व एवं उनके सामाजिक योगदान को स्मरण करते हुए उन्हें नमन किया। इस अवसर पर पूरे वातावरण में श्रद्धा और भावुकता का माहौल रहा। परिवार की ओर से सभी आगंतुकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि इस कठिन समय में समाज के विभिन्न वर्गों से मिला स्नेह, अपनापन और संवेदना उनके लिए संबल का कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि सभी का यह सहयोग और आशीर्वाद सदैव मार्गदर्शन प्रदान करता रहेगा।

स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधार पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति, गुणवत्ता और प्रभावशीलता का समग्र आकलन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से नवा रायपुर स्थित स्वास्थ्य भवन में शुक्रवार को सभी जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियो की एक दिवसीय राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक माननीय स्वास्थ्य मंत्री के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के सचिव अमित कटारिया की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन एवं सेवा प्रदायगी की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए अधिकारियों को अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने के निर्देश दिए गए। स्वास्थ्य मंत्री श्री जायसवाल ने मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने के लिए जोखिम की समय पर पहचान को अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि चिन्हित मामलों को आवश्यकता अनुसार उच्च स्तरीय शासकीय अथवा निजी स्वास्थ्य संस्थानों में समय रहते रेफर किया जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि रेफरल प्रक्रिया के दौरान संबंधित चिकित्सक एवं अस्पताल प्रबंधन प्रसूता एवं शिशु के डिस्चार्ज तक सतत संपर्क में रहें तथा सभी आवश्यक उपचार एवं सुविधाएं सुनिश्चित करें। साथ ही, मौसमी बीमारियों की रोकथाम एवं प्रबंधन के लिए अग्रिम तैयारियों को सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए गए।

समीक्षा के दौरान सभी मरीजों को गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराने पर विशेष बल दिया गया। चिकित्सकों को प्रभावी औषधियां लिखने तथा आवश्यक जांच सुविधाएं संस्थागत स्तर पर ही उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि मरीजों को अनावश्यक असुविधा का सामना न करना पड़े। बैठक का संचालन करते हुए सचिव अमित कटारिया ने मातृ एवं शिशु मृत्यु के प्रत्येक प्रकरण की अनिवार्य रिपोर्टिंग एवं पंजीकरण सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यवस्थित डेटा विश्लेषण के माध्यम से मृत्यु के कारणों की पहचान कर भविष्य में प्रभावी सुधारात्मक कदम उठाए जा सकते हैं।

विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी विशेष बल दिया गया, ताकि हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं सरल जानकारी पहुँच सके और योजनाओं का अधिकतम लाभ सुनिश्चित हो। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के संचालक संजीव कुमार झा, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन संचालक रणबीर शर्मा, महामारी नियंत्रण के संचालक डॉ. एस.के. पामभोई सहित सभी संभागों के संयुक्त संचालक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। इस दौरान मातृ-शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, आयुष्मान आरोग्य मंदिर, कुष्ठ एवं टीबी उन्मूलन सहित प्रमुख राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की गहन समीक्षा की गई।

समापन संबोधन में सचिव श्री कटारिया ने कहा कि प्रदेश को टीबी एवं मलेरिया मुक्त बनाना, मातृ-शिशु स्वास्थ्य संकेतकों में निरंतर सुधार लाना तथा प्रत्येक नागरिक को सुलभ, किफायती एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अधिकारियों से सेवा भावना, प्रतिबद्धता एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि जन-अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
-:: ईश्तहार ::-

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय का रा.प्र.कं. 202604101000032 /अ-6/वर्ष 2025-26 में आवेदिका/आवेदक - रेश्मी देवी अन्य 2 अ./ध.प. स्व. सुरेन्द्र प्रसाद निवासी केम्प 2 भिलाई तह. दुर्ग व जिला दुर्ग द्वारा ग्राम - खेदामारा. प.ह.नं. 11 रा.नि.मं. जेवरा सिरसा व जिला दुर्ग स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 252 रकबा 0.670 हे. है। जो भूमिस्वामी लच्छू प्रसाद आ. गोपाल प्रसाद के नाम पर दर्ज है। जिसमें भूमिस्वामी लच्छु प्रसाद आ. गोपाल प्रसाद की मृत्यु दिनांक 06/12/2000 को फौत हो जाने के कारण मृतक का नाम खाते से विलोपित कर उसके वैध वारिसानो का नाम दर्ज किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि फौती नामांतरण किये जाने पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 27/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
-:: ईश्तहार ::-
रा०प्र०क० ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक शेख निजामुददीन पिता शेख जहरूद्दीन निवासी केम्प 02 भिलाई द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 04.05.1984 को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

आवेदक ज्योति सिंह पिता कुंदन सिंह निवासी सुपेला भिलाई द्वारा अपने दादी भागबाई देशलहरे पति स्व० अधनु देशलहरे का मृत्यु दिनांक 27.06.2022 को होने के कारण एवं भूलवश मृत्यु प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण मृत्यु प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर, तहसील व जिला दुर्ग
-:: व्यक्तिगत सूचना ::-
(रा०प्र०क०/20260210100240/अ-6/वर्ष 2025-26)

प्रति,
उमेश (देश) कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नदनी नगर मिलाई वार्ड नं. 10, कुम्हारी
पक्षकार कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नंदिनी नगर मिलाई तह. व जिला दुर्ग
विरूद्ध
अनावेदक-छ.ग. शासन

आपको सूचित किया जाता है इस न्यायालय का रा.प्र. कं. 20260210100240/अ-6/वर्ष 2025-26 आवेदक- कमलेश कुमार आ. राजू चौधरी निवासी नंदिनी नगर भिलाई तह. व जिला दुर्ग ग्राम कोहका प.ह.न. 45 रा.नि.मं. कोहका स्थित भूमि स्वामी हक की भूमि खसरा नं. 7277/6 रकबा 0.02 हे./2400 वर्गफीट भूमि का रजिस्टर्ड बैनामा के आधार पर दिनांक 01/05/2010 को विक्रेता कमलेश कुमार, उमेश (उेश) कुमार दोनो आ. राजू चौधरी से क्रय किया गया है, की बैनामा के आधार पर नामांतरण किये जाने बाबत आवेदन पत्र मय बैनामा की छाया प्रति प्रस्तुत किया गया है।

अतः उपरोक्त भूमि के संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 20/04/2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 07/04/2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

!! न्यायालय तहसीलदार भिलाई नगर तहसील व जिला दुर्ग !!
-:: ईश्तहार ::-
रा.प्र.क्र. ब-121 वर्ष 2024-25

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक मोमिना कौशर पति जावेद गिरी निवासी गुन्डरदेही द्वारा अपने स्वयं का जन्म दिनांक 05.02.1992 को होने के कारण एवं भूलवश जन्म प्रमाण पत्र नहीं बन पाने के कारण जन्म प्रमाण पत्र बनाये जाने के संबंध में आवेदन-पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अतः उक्त संबंध में पर जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति या उजर दावा हो तो सुनवाई तिथि दिनांक 13.04.2026 तक या उसके पूर्व स्वयं या अपने मान्य अधिवक्तागण के साथ उपस्थित होकर अपना आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदन पत्र पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30.03.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के मुहर से जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
भिलाई नगर

संपादकीय

परिवारवाद का एक परिणाम यह भी है

हमारे देश की राजनीति में परिवारवाद सबसे बड़ी व सबसे गंभीर समस्या है लेकिन ज्यादातर राजनीतिक दल इसे न तो सबसे बड़ी समस्या मानते हैं और न ही गंभीर समस्या मानते हैं। उनके लिए राजनीति में परिवारवाद उनका अधिकार है, उसी तरह का अधिकार है जैसे राजा के बेटे का राजा बनना अधिकार होता था। पिता ने एक राजनीतिक दल बनाया है तो पिता के बाद उस राजनीतिक दल पर बेटे का अधिकार परंपरा से माना जाता है और जनता भी उसे कई जगह मानती है। जनता की सोच रहती है कि परिवार ने हमारे लिए बहुत कुछ किया है, इसलिए वह पिता की सेवा को याद कर पुत्र को जिता देती है।

जनता को किसी किसी क्षेत्र में परिवारवाद के फायदे दिखते हैं, उसे यह नहीं दिखता है कि परिवारवाद के कारण राज्य की राजनीति व देश की राजनीति को कितना नुकसान हो रहा है ।वह सोच नहीं पाती है कि पार्टी जब किसी परिवार की होती है तो उसमें सही हो या गलत हो फैसला परिवार ही करता है ।यानी पार्टी लोकतंत्र की होती है लेकिन वह चलती है तानाशाही से यानी परिवार जैसा चाहेगा पार्टी वैसे ही चलेगी। राजनीति में परिवार के लोगों को ही ज्यादा मौका मिलेगा, ज्यादा पद मिलेंगे, ज्यादा टिकट दिए जाएंगे, परिवार के लोग ही ज्यादा जीतेंगे। यानी परिवार की पार्टी है तो राजनीति में नए लोगों के आने का मौका कम, आगे बढ़ने का मौका कम।

राजनीति में परिवारवाद का एक नुकसान यह भी होता है। परिवार की पार्टी सत्ता में है तो सरकारी काम व सरकारी ठेके भी परिवार के लोगों को दिए जाते हैं। परिवार की पार्टी चुनाव जीतती है तो सरकार भी परिवार की होती है। सरकार भी परिवार की है तो परिवार के लोगों को लगता है कि हमको सरकारी ठेका या काम प्राथमिकता के आधार पर मिलना चाहिए। परिवारविरोधी परिवार को प्राथमिकता देने को भ्रष्टाचार मानते हैं। यही हुआ है अरुणाचल प्रदेश में ।अरुणाचल के सीएम पेमा खांडू पर एक एनजीओ ने आरोप लगाया है कि सीएम के परिजनों से जुड़ी कंपनियों करोड़ों के ठेके दिए गए हैं ।सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में जांच के आदेश दे दिए हैं। राज्य सरकार के हलफनामे में स्वीकार किया गया है कि पिछले दस सालों में 21079 कायों में से केवल 121 ठेके 4 कंपनियों को दिए गए है जो सीएम के परिजनों से जुड़ी बताई जा रही हैं।

अरुणाचल सरकार मान रही है और बता रही है कि कायदे से सीएम के परिजनों से जुड़ी कंपनियों को जो ठेके दिए गए हैं वह तो बहुत ही कम है और यह सच भी है। बड़े राज्यों से तुलना की जाए तो सीएम के परिजनों व समथर्कों को इससे ज्यादा ठेके दिए गए होंगे यानी इससे कई गुना ज्यादा इस तरह का भ्रष्टाचार तो ज्यादातर राजनीतिक दलों के समय हुआ है और होता रहा है और होता रहेगा ।सिध्दांत के तौर पर यह कहना,सुनना व पढ़ना अच्छा लगता है कि राज्य सरकार सार्वजनिक संसाधनों की मालिक नहीं,जनता की ओर से ट्रस्टी होती है ।ठेके व संसाधनो का आवंटन निष्पक्ष होना चाहिए। कोर्ट को न दिखाई दे लेकिन जनता तो रोज अखबार में पढ़ती है कि ज्यादातर राज्य सरकारों में ठेका कैसे दिया जाता है। किसको दिया जाता है और क्यों दिया जाता है। जनता यह भी जानती है कि यह लाइलाज बीमारी है और हर क्षेत्र इससे कम-ज्यादा प्रभावित है।

सू- दोकू क्र.004

	3		7				2	1
2				9		4		
	7		1				5	
		1		5		2		7
	5				4			
		4		1		8		5
					1			
1		5		3		9		
	2		6		5		1	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.003 का हल

8	9	5	1	6	3	2	4	7
3	2	1	9	7	4	8	6	5
4	7	6	2	5	8	3	9	1
7	6	9	5	2	1	4	3	8
1	8	3	4	9	7	6	5	2
2	5	4	8	3	6	1	7	9
5	3	8	7	4	2	9	1	6
6	1	7	3	8	9	5	2	4
9	4	2	6	1	5	7	8	3

सनक में बदलता सार्वजनिक संवाद !

संजय उवाच

प्रो. संजय द्विवेदी

आलोचना के निर्मम अस्त्रों और अभद्र भाषा से कैसा समाज बना रहे हैं हम

भारतीय राजनीति और समाज में संवाद के गिरते स्तर और संवाद माध्यमों पर भीड़ के मुखर हो उठने का यह विचित्र समय है। यह वाचाल भीड़ समाज से लेकर सोशल मीडिया तक हर जगह अपनी 'खास राय' के साथ खड़ी है। गुण या दोष के आधार पर विवेक के साथ नहीं। आलोचना के निर्मम अस्त्रों और घटिया भाषा के साथ। ऐसे कठिन समय में अपने विचार रखना भी मुश्किल हो जाता है। वे एक पक्ष पर खड़े हैं और दूसरे को सुनने को भी तैयार नहीं है। अफसोस तब होता है जब यह सारा कुछ लोकतंत्र के नाम पर घट रहा है।

सोशल मीडिया ने इस उत्तेजना को सनक में बदलने का काम किया है। वैचारिकता की गहरी समझ और विचारधारा से आसपास भी न गुजरे हुए लोग किस तरह लोकतंत्र, सरकार और जनता के पहरेदार बन गए हैं कि आश्चर्य होता है। ये लोग एक अनियंत्रित भीड़ की तरह सरकार के पक्ष या विपक्ष में कूद पड़ते हैं। पुलिस की 'विवेचना' के पहले ही 'विश्लेषण' कर डालते हैं। किसी को भी स्वीकार या खारिज कर देते हैं। इतनी 'तुरंता' भीड़ इसके पहले कभी नहीं देखी गयी। ये पक्ष लेते समय यह भी नहीं देखते कहां पक्ष लिया जाना है, कहां नहीं। कई बार लगता है परपीड़न में सुख लेना हमारा स्वभाव बन रहा है। लोकतंत्र में मिली अभिव्यक्ति की आजादी का क्या हम इस तरह उपयोग करेंगें? शायर वसीम बरेलवी इसीलिए कहते हैं-

कौन-सी बात कहाँ, कैसे कही जाती है,
ये सलीक़ा हो, तो हर बात सुनी जाती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आप में एक समर्थ और ताकतवर नेता हैं। मुझे नहीं लगता कि किसी सोशल मीडिया एक्टिविस्ट को उनकी मदद की दरकार है लेकिन लोग हैं कि मोदी जी की मदद के लिए मैदान में उतरकर उनकी भी छवि खराब करते हैं। हर बात पर प्रधानमंत्री या कोई मुख्यमंत्री न दोषी हो सकता है न ही उन्हें दोष दिया जाना चाहिए। किंतु अगर लोग किन्हीं कारणों से अपने नेता से सवाल पूछ रहे हैं तो उनसे यह हक नहीं छीना जाना चाहिए। लोग अपने चुने गए प्रधानमंत्री और अन्य जनप्रतिनिधियों से सवाल कर सकते हैं, यह उनका जायज हक है। आप उन्हें 'ट्रोलिंग' करके खामोश करना चाहते हैं तो यह अलोकतांत्रिक आचरण है। एक लोकतंत्र में रहते हुए संवाद-विवाद की अनंत धाराएं बहनी ही चाहिए, भारत तो संवाद परंपरा सबसे जिम्मेदार उत्तराधिकारी है। लेकिन यह संवाद वितंडावाद न बने। कोई भी संवाद समस्या का हल लेकर समाप्त हो, न कि नए विवादों को जन्म दे दें।

राजनीति के क्षेत्र में सोशल मीडिया के बढ़ते उपयोग और किराए के टट्टुओं ने हालात और बदतर किए हैं। संवाद की शुचिता तो दूर अपने विपक्षी की हर बात की आलोचना और गलत भाषा के इस्तेमाल का चलन बढ़ा है। सारी क्रांति सोशल मीडिया पर कर डालने की मानसिकता से लैस लोग यहां विचरण कर रहे हैं, जिनके पास अध्ययन, तर्क, परंपरा, ज्ञान ,सामयिक यर्थाथ चिंतन का भी अभाव दिखता है पर वे हैं और अपनी चौंकाने वाली घटिया टिप्पणियों से मनोरंजन कर रहे हैं। कुछ ने प्रधानमंत्री की 'सुपारी' ले रखी है। वे दुनिया की हर बुरी चीज के लिए नरेंद्र मोदी को जिम्मेदार मानते हैं। वही 'मोदी भक्त' कहकर संबोधित किया जा रहा संप्रदाय भी है, जिसे दुनिया के हर अच्छे काम के लिए नरेंद्र मोदी को श्रेय देने की होड़ है। ऐसे में विवेक की जगह कहां है। आलोचनात्मक विवेक को तो छोड़ ही दीजिए। आप सत्ता के साथ हैं या सत्ता के विरुद्ध हैं। ऐसे में स्वतंत्र चिंतन के लिए ठौर कहां है। मैदान खुला है और आभासी दुनिया में एक ऐसा महाभारत लड़ा जा रहा है, जहां कभी कौरव जीतते हैं तो कभी पांडव। किंतु सत्य यहां अक्सर पराजित होता है, क्योंकि इस आभासी दुनिया में हर व्यक्ति के सच अलग-अलग हैं। यहां लोग पक्ष तय करके मैदान में उतरते हैं। यहां विरोधी नहीं दुश्मन मानकर बहसें होती हैं। वैचारिक विरोध यहां षडयंत्र और अपमान तक बढ़ जाते हैं। इस युद्ध की सीमा नहीं है। इस युद्ध में एक पक्ष अंततः हारकर मैदान छोड़ देता है और अगली सुबह नए तथ्यों (शायद गढ़े हुए भी) के साथ मैदान में उतरता है। यानि यहां युद्ध निरंतर है। जबकि महाभारत भी 18 दिनों बाद समाप्त हो गया था।

इस दुनिया में सच या झूठ कुछ भी नहीं है। यहां यही बात मायने रखती है कि आप कहां खड़े हैं। मुख्यधारा का मीडिया भी कमोबेश इसी रोग से ग्रस्त हो रहा है। जहां सबकी पहचान जाहिर हो चुकी है। आप मुंह खोलेंगे, तो क्या बोलेगें यह लोगों को पता है। आप लिखेगें तो कलम किधर झुकी है, वह अखबार में आपके नाम और फोटो से पता चल जाता है। पढ़ने की जरूरत नहीं है। एक समय था जब हम अपनी पत्रकारिता की दुनिया के चमकते नामों को इस उम्मीद से पढ़ते थे कि आखिर उन्होंने आज क्या लिखा होगा। जबकि आज ज्यादातर नामों को पढ़कर हम कथ्य का अंदाजा लगा लेते हैं। विश्वास के इस संकट से लड़ना जरूरी है। बौद्धिक दुनिया के सामने यह संकट बिलकुल सम्मुख आ खड़ा हुआ है। सोशल मीडिया की मजबूरियां और उसके इस्तेमाल से उसे नाहक बना देने वालों की मजबूरियां समझी जा सकती हैं, किंतु अगर मुख्यधारा का मीडिया भी सोशल मीडिया से प्रभाव ग्रहण कर उन्हीं गलियों में जा बसेगा तो उसकी विश्वसनीयता के सामने गहरे सवाल खड़े होगें।

मोदी भक्त और मोदी विरोधियों ने सार्वजनिक संवाद को जिस स्तर पर ला दिया है। वहां से इसे अभी और नीचे जाना है। आने वाले समय में हमारे सार्वजनिक संवाद का चेहरा कितना खौफनाक होगा, यह चीजें हमें बता रहीं हैं। सरकार और पार्टी के प्रवक्ताओं से अलग मानवीय त्रासदी की घटनाओं पर भी हम सरकार और किसी दल की ओर से बोलने लगें तो यह काहे का सोशल मीडिया? सरकार की सफाई हम देने लगेगें तो उनके प्रवक्ता क्या करेगें? जिम्मेदार नागरिकता का पाठ पढ़ने के लिए स्कूल की जरूरत नहीं है किंतु संवेदनशीलता, दिनायतदारी, ईमानदार अभिव्यक्ति की जरूरत जरूर है। लेकिन यह साधारण सा पाठ हम तभी पढ़ सकेगें, जब स्वयं चाहेंगें।

(लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के अध्यक्ष हैं।)

राज्य के सिंचाई जलाशयों में अभी 67 प्रतिशत से अधिक जल भराव

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

छत्तीसगढ़ राज्य के 12 वृहद एवं 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में इस वर्ष जल भराव की स्थिति काफी बेहतर है। वर्तमान में राज्य के कुल 46 प्रमुख सिंचाई जलाशयों में औसत रूप से 67.43 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 में इसी अवधि में औसत रूप से 45.23 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 के 42 प्रतिशत की तुलना में उल्लेखनीय रूप से अधिक है। यह स्थिति राज्य में बेहतर वर्षा, सुनियोजित जल प्रबंधन तथा जलाशयों के प्रभावी संचालन का परिणाम है।

राज्य के 12 वृहद सिंचाई परियोजनाओं में वर्तमान में 68.19 प्रतिशत जल भराव है, जबकि वर्ष 2025 में यह 45.84 प्रतिशत तथा वर्ष 2024 में 38.62 प्रतिशत था। प्रमुख वृहद जलाशयों में शामिल मनियारी जलाशय में 90.41 प्रतिशत, मुरूमसिल्ली में 86.85 प्रतिशत, खारंग में 84.99 प्रतिशत, दुधावा में 84.54 प्रतिशत, रविशंकर सागर में 76.72 प्रतिशत, सोंढूर में 70.65 प्रतिशत एवं तांदुला में 66.19 प्रतिशत में जल उपलब्ध है। वहीं मिनीमाता बांगो जलाशय में 63.86 प्रतिशत तथा केलो में अभी 51.83 प्रतिशत जल भराव है। कोडार जलाशय में अपेक्षाकृत कम 35.45 प्रतिशत जल उपलब्ध है।

इसी प्रकार राज्य की 34 मध्यम सिंचाई परियोजनाओं में वतर्मान में 63.38 प्रतिशत जल भराव है, जो कि वर्ष 2025 के 44.62 प्रतिशत एवं वर्ष 2024 के 45.38 प्रतिशत से अधिक है। मध्यम जलाशयों में छिरपानी जलाशय में 92.23 प्रतिशत, खपरी में 92.98 प्रतिशत, पिपरिया नाला में 89.69 प्रतिशत, गोंडली में 85.53 प्रतिशत, सुतियापाट में 79.82 प्रतिशत, सारोदा में 77.57 प्रतिशत एवं कोसारटेडा में 77.46 प्रतिशत जल भराव अपने उच्च स्तर पर हैं।

प्रदेश में उपलब्ध जल का उपयोग किसानों की आवश्यकताओं के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न सिंचाई परियोजनाओं से नियंत्रित एवं चरणबद्ध रूप से जल छोड़ा जा रहा है। रविशंकर सागर (गंगरेल) परियोजना से नहरों के माध्यम से धमतरी एवं रायपुर क्षेत्रों में निस्तारी एवं सिंचाई जल उपलब्ध कराया जा रहा है। दुधावा जलाशय से मुख्य नहरों के जरिए पानी दिया जा रहा है। सोंढूर परियोजना से नहर प्रणाली के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है। कोडार जलाशय से लगभग 6.84 क्यूमेक्स (घन मीटर प्रति सेकण्ड) जल नहरों के माध्यम से छोड़ा जा रहा है। इसके अतिरिक्त परालकोट परियोजना से दाएं एवं बाएं तट नहरों के जरिए जल वितरण किया जा रहा है।

मध्यम परियोजनाओं में भी खरखरा, गोंडली, पिपरिया, सारोदा, जुमका, केदार नाला एवं अन्य जलाशयों से आवश्यकता अनुसार नहरों एवं स्लुइस गेट के माध्यम से जल छोड़ा जा रहा है, जिससे रबी फसलों की अंतिम सिंचाई एवं ग्रीष्मकालीन फसलों एवं निस्तारी के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध कराया जा सके। यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जल का सदुपयोग तथा सभी सिंचित क्षेत्रों को आवश्यकतानुसार पानी मिल सके।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा है कि राज्य सरकार किसानों के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए जल संसाधनों का वैज्ञानिक एवं प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जलाशयों में बेहतर जल भराव समन्वित प्रयासों का परिणाम है। हमारा लक्ष्य है कि प्रदेश के किसानों को समय पर पर्याप्त सिंचाई जल उपलब्ध हो, जिससे कृषि उत्पादन में वृद्धि हो और किसानों की आय में सुधार हो। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जलाशयों के जल स्तर की सतत निगरानी करते हुए जल का उपयोग सुनिश्चित किया जाए।

ग्रीष्मकालीन धान के बदले सूरजमुखी की खेती की ओर किसान होते जा रहे अग्रसर

नई दृष्टिबिंदु / बलौदाबाजार

ग्रीष्मकालीन धान (गर्मी के धान) के बदले सूरजमुखी की खेती एक अत्यधिक लाभदायक, कम पानी वाली और मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने वाला बेहतर विकल्प है। धान की तुलना में सूरजमुखी में पानी की आवश्यकता बहुत कम होती है, जो जल संरक्षण के लिए अच्छा है। यह फसल किसानों को 2-3 गुना तक मुनाफा दे सकती है। किसानों को ग्रीष्मकालीन धान के बदले कम पानी में अधिक लाभ देने वाली फसल सुरजमुखी की खेती अपनाने हेतु प्रेरित किया जा रहा है। इससे कई किसान सूरजमुखी क़ी खेती की ओर अग्रसर हो रहे है।

कृषि विभाग द्वारा संचालित राष्ट्रीय कृषि विकास योजनान्तर्गत बलौदाबाजार- भाठापारा जिले के विकासखण्ड सिमगा अंतर्गत ग्राम औरेंठी के कृषक आकाशदीप वर्मा एवं संजय वर्मा द्वारा 12 एकड़ रकबे में कृषि विभाग एवं स्वयं से सूरजमुखी की खेती किया जा रहा है। विभाग के द्वारा उन्हें योजनान्तर्गत संकर बीज एवं आदान सामग्री प्रदाय किया गया है। कृषक के द्वारा विगत वर्ष ग्रीष्मकालीन धान की खेती की गई थी, परन्तु गिरते भूजल स्तर के कारण धान की खेती में नुकसान उठाना पड़ा। इस वर्ष कृषक के द्वारा सूरजमुखी की खेती की गई है जिसमें कम पानी, कम लागत में अधिक लाभ प्राप्त किया जा सकता हैं। वर्तमान में सूरजमुखी के बीजों की मांग अच्छी है और बाजार में किसान अपनी फसल को अच्छी दरों पर बेचकर मुनाफा कमा सकते हैं।

आकाशदीप वर्मा ने कहा कि सूरजमुखी की खेती को पशु एवं बंदरो से नुकसान नहीं होता है तथा देखरेख की आवश्यकता कम पड़ती है। वतर्मान में सूरजमुखी की फसल संतोषजनक है, प्रति एकड़ 8 से 10 क्विंटल उत्पादन का अनुमान है। कृषक को 45 से 50 हजार रूपये प्रति एकड़ शुद्ध आय प्राप्त होने की संभावना है। कृषक आकाशदीप वर्मा के द्वारा पशुपालन भी किया जा रहा है, जिसके गोबर एवं गौमूत्र का उपयोग कर जीवामृत, बीजामृत, घनजीवामृत आदि उत्पादों के द्वारा प्राकृतिक खेती किया जा रहा है। आकाश वर्मा के नवाचार से जिले के अन्य किसान भी प्रेरित हो रहे हैं तथा ग्रीष्मकालीन धान के बदले दलहनी, तिलहनी फसलों की खेती की ओर अग्रसर हैं।

सूरजमुखी की फसल कम पानी में भी सफलतापूर्वक तैयार हो जाती है तथा 90 से 100 दिनों में पककर तैयार हो जाती है, जिससे कम समय में अधिक लाभ प्राप्त होता है। सूरजमुखी तेल की बाजार में बढ़ती मांग को देखते हुए किसानों को उचित मूल्य मिलने की संभावनाएं भी अधिक हैं। इसके अलावा, तिलहनी फसलों को बढ़ावा देने हेतु शासन द्वारा विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं, जिनका लाभ किसान भाई उठा सकते हैं।

उप संचालक कृषि ने बताया कि किसानों को दलहनी, तिलहनी फसलों की खेती हेतु विशेष सुविधाएं उपलब्ध करायी जा रही है जैसे उन्नत किस्म के प्रमाणित बीज, तकनीकी मार्गदर्शन एवं प्रशिक्षण, खेत स्तर पर प्रदर्शन, फसल संरक्षण एवं पोषण संबंधी सलाह, शासकीय योजनाओं के तहत अनुदान का लाभ शामिल है। ग्रीष्मकालीन धान के स्थान पर सूरजमुखी जैसी कम पानी वाली एवं लाभकारी फसलों को अपनाने से फसल चक्र में विविधता आती है, मिट्टी की गुणवत्ता में वृद्धि, कीट एवं रोगों का प्रकोप कम होता है।

नक्सल प्रभाव से विकास की ओर बढ़ा हेटारकसा, हर घर तक पहुंचा नल से जल

ललित गर्ग

कभी नक्सल गतिविधियों के कारण विकास की मुख्यधारा से दूर रहा कोयलीबेड़ा विकासखंड का ग्राम हेटारकसा अब तेजी से बदल रहा है। जहां पहले बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच मुश्किल थी, वहीं अब शासन की योजनाओं और सुरक्षा माहौल में सुधार के चलते गांव में विकास के नए आयाम दिखाई दे रहे हैं।

वर्षो तक नक्सल प्रभाव और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इस क्षेत्र में योजनाओं का क्रियान्वयन चुनौतीपूर्ण बना रहा। पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा भी ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या थी। गांव के लोग कुओं और नालों पर निर्भर थे, जिससे खासकर गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत और बढ़ जाती थी।

अब केंद्र सरकार की जल जीवन मिशन और राज्य शासन के समन्वित प्रयासों से स्थिति में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। ग्राम हेटारकसा के 63 घरों तक नल कनेक्शन पहुंचाए गए हैं। दो सोलर पंप आधारित जल टंकियों के माध्यम से प्रत्येक घर में नियमित रूप से स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित की जा रही है।

गांव के निवासी राजनाथ पोटाई बताते हैं कि पहले पानी लाने के लिए दूर-दराज तक जाना पड़ता था, जिससे समय और श्रम दोनों अधिक लगता था। अब घर पर ही पानी उपलब्ध होने से दैनिक जीवन काफी सहज हो गया है। वहीं, ग्रामीण महिला सविता बेन के अनुसार, पहले दिन का बड़ा हिस्सा पानी की व्यवस्था में ही खर्च हो जाता था, लेकिन अब नल-जल सुविधा से उन्हें राहत मिली है और वे अन्य कार्यों पर ध्यान दे पा रही हैं।

स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता का सकारात्मक प्रभाव स्वास्थ्य पर भी देखा जा रहा है। जलजनित बीमारियों में कमी आई है। साथ ही, ग्रामीण घरों के आसपास सब्जी उत्पादन भी कर रहे हैं, जिससे पोषण स्तर में सुधार के साथ अतिरिक्त आय के अवसर भी बढ़े हैं।

नक्सल प्रभावित इस दूरस्थ क्षेत्र में योजनाओं का सफल क्रियान्वयन प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया है। ग्राम हेटारकसा की यह बदली हुई तस्वीर दर्शाती है कि सुरक्षा, विश्वास और विकास के समन्वित प्रयासों से सबसे कठिन क्षेत्रों में भी बदलाव संभव है।

आजीविका मिशन से रमशीला कश्यप को मिला आत्मनिर्भरता का संबल

नई दृष्टिबिंदु / कोंडागांव

एक समय माओवाद से प्रभावित रहा कोंडागांव जिले का दूरस्थ ग्राम कुधुर आज विकास और आत्मनिर्भरता की नई कहानी लिख रहा है। शासन की योजनाओं की पहुँच ने इस क्षेत्र की तस्वीर बदल दी है, और इसी परिवर्तन की मिसाल हैं ग्राम की निवासी श्रीमती रमशीला कश्यप। किराना दुकान संचालन से प्रति माह लगभग 25 हजार रुपये की आय अर्जित कर रहीं हैं '

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) से जुड़कर रमशीला कश्यप ने अपने जीवन को नई दिशा दी। वर्ष 2018 में उन्होंने जय मां दंतेश्वरी स्व-सहायता समूह की सदस्य बनकर आत्मनिर्भर बनने की शुरुआत की। उस समय गांव में केवल एक किराना दुकान था, जिसके कारण ग्रामीणों को रोजमर्रा की जरूरतों के लिए लगभग 20 किलोमीटर दूर मर्दापाल जाना पड़ता था।

ग्रामीणों की इस समस्या को समझते हुए रमशीला कश्यप ने गांव में ही किराना दुकान खोलने का साहसिक निर्णय लिया। स्व-सहायता समूह से प्राप्त 50 हजार रुपये की सहायता से उन्होंने अपनी दुकान की शुरुआत की। समय के साथ उन्होंने दुकान में जरूरत के अनुसार सामग्री बढ़ाई और अपने व्यवसाय को मजबूत किया।

आज रमशीला की यह छोटी-सी पहल पूरे गांव के लिए बड़ी सुविधा बन चुकी है। जहां एक ओर ग्रामीणों को आवश्यक वस्तुएं गांव में ही उपलब्ध हो रही हैं, वहीं दूसरी ओर रमशीला कश्यप के परिवार की आर्थिक स्थिति में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। वर्तमान में वे प्रति माह लगभग 20 से 25 हजार रुपये की आय अर्जित कर रही हैं। पहले केवल खेती पर निर्भर रहने वाला उनका परिवार अब अतिरिक्त आय के स्रोत से सशक्त हो गया है।

रमशीला कश्यप की यह सफलता न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गई है। आज वे अन्य महिलाओं को भी स्व-सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रोत्साहित कर रही हैं। रमशीला कश्यप ने शासकीय योजनाओं से मिली सहायता के लिए शासन प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर प्रजापति ने किया जिला मुख्यालय में निर्माण कार्यों की प्रगति का निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

कलेक्टर तुलिका प्रजापति द्वारा जिला मुख्यालय मोहला में निर्माणाधीन विभिन्न विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ट्रांजिट हॉस्टल, आईटीआई भवन, सामुदायिक भवन ऑडिटोरियम एवं सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र डिजिटल लाइब्रेरी सहित अन्य निर्माणाधीन कार्यों का स्थल पर जाकर जायजा लिया। इस दौरान कार्यों की प्रगति गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा का विशेष रूप से मूल्यांकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने ट्रांजिट हॉस्टल, आईटीआई एवं सामुदायिक भवन ऑडिटोरियम के निर्माण कार्यों में धीमी प्रगति एवं लापरवाही पाए जाने पर गहरी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने संबंधित निर्माण एजेंसी एवं ठेकेदारों की कार्यशैली पर असंतोष जताते हुए तत्काल नोटिस जारी करने के निर्देश अधिकारियों को दिए। साथ ही कहा कि कार्यों में और अधिक विलंब या गुणवत्ता में कमी पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, सामुदायिक प्रशिक्षण केंद्र डिजिटल लाइब्रेरी के निर्माण कार्य की प्रगति अपेक्षाकृत संतोषजनक पाई गई। कलेक्टर ने इस कार्य की सराहना करते हुए भी संबंधित एजेंसी को निर्देशित किया कि निर्धारित समय-सीमा का विशेष ध्यान रखते हुए कार्य को शीघ्र पूर्ण किया जाए, ताकि आम जनता को इसका लाभ समय पर मिल सके। कलेक्टर प्रजापति ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से निर्माण कार्यों की मॉनिटरिंग करें कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि जिले में चल रहे विकास कार्यों की गुणवत्ता एवं समयबद्ध पूर्णता प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

चावल उत्सव, राशन कार्डधारियों को तीन माह का चावल एक साथ वितरित

राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले की शासकीय उचित मूल्य दुकानों में चावल उत्सव का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली में पारदर्शिता लाना तथा पात्र हितग्राहियों को समय पर चावल उपलब्ध कराना है। चावल उत्सव के दौरान उचित मूल्य दुकानों पर राशन कार्डधारियों को निर्धारित मात्रा में चावल, शक्कर, नमक एवं चना वितरित किया गया। साथ ही हितग्राहियों की ई-केवायसी प्रक्रिया भी पूरी कराई जा रही है, ताकि भविष्य में उन्हें विभिन्न योजनाओं का लाभ सहजता से प्राप्त हो सके।

जिले में कुल 197 उचित मूल्य दुकानों के माध्यम से 79,439 राशन कार्डधारियों के लिए खाद्यान्न का आबंटन किया गया है। इन हितग्राहियों को अप्रैल, मई एवं जून 2026 के लिए चावल एकमुश्त प्रदान किया जाएगा। वहीं, एपीएल कार्डधारियों को उनकी मासिक पात्रता के अनुसार अलग-अलग माह में चावल वितरण किया जाएगा। चावल उत्सव में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों की भी उपस्थिति रही, जिन्होंने कार्यक्रम के सफल संचालन में योगदान दिया। इसी कड़ी में बीपीएल कार्डधारी योगेश कुमार ने शासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि शासकीय उचित मूल्य दुकानों से उन्हें समय पर तीन माह का चावल एकमुश्त प्राप्त हो रहा है। आयोजन के दौरान हितग्राहियों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे उपयोगी और हितकारी बताया।

खास खबर

चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस और आवास दिवस का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

शासन की विभिन्न योजनाओं से जोड़ते हुए रोजगार उपलब्धता, आवास निर्माण की प्रगति एवं जनसमस्याओं के त्वरित समाधान सुनिश्चित करने के लिए जिले के सभी ग्राम पंचायतों में चावल महोत्सव के साथ रोजगार दिवस एवं आवास दिवस का आयोजन किया गया। आयोजन के पूर्व प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण एवं महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना से संबंधित सभी लंबित विषयों एवं समस्याओं का ग्राम पंचायत, विकासखंड एवं जिला स्तर पर निराकरण सुनिश्चित किया गया।

जिले में टीबी प्रकरणों की संख्या में लगातार हो रही कमी

राजनांदगांव। राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत टीबी मुक्त भारत अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत जिले में टीबी उन्मूलन हेतु आवश्यक प्रयास किए जा रहे है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम अंतर्गत चलाए जा रहे टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत जिले में टीबी प्रकरणों की संख्या लगातार कम हो रही है। जिले में वर्ष 2015 में 2082 टीबी मरीज पाये गये थे। जिसकी तुलना में वर्ष 2025 में टीबी मरीजों की संख्या 1091 है। जिले में टीबी मरीजों की संख्या लगभग आधी हो गई है। जिले में टीबी जांच की संख्या में लगातार बढ़ोतरी रही है। वर्तमान में अत्याधुनिक मशीनों (ट्रूनॉट व सीबीनॉट) एवं हैण्डहेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से शहरी वार्डो व गांव-गांव जाकर टीबी संभावित एवं उच्च जोखिम समूह के व्यक्तियों की जांच की जा रही है।

साथ ही जिला अस्पताल में चिकित्सा विशेषज्ञ पदस्थ है। टीबी मरीजों को समस्त प्रकार की जांच एवं उपचार की सुविधा शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं में निःशुल्क उपलब्ध कराया जा रहा है। मरीजों को टीबी जांच एवं उपचार के लिए किसी भी तरह का व्यय नहीं करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि जिले में टीबी मुक्त पंचायत अभियान का संचालन किया जा रहा है। जिसके तहत वर्ष 2023 में 60, वर्ष 2024 में 170 एवं वर्ष 2025 में 238 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त पंचायत घोषित किया गया है। वर्ष 2026 में शत-प्रतिशत ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए आवेदन 23 तक

बेमेतरा। कार्यालय परियोजना अधिकारी, एकीकृत बाल विकास परियोजना बेमेतरा द्वारा आंगनबाड़ी केंद्रों में रिक्त आंगनबाड़ी सहायिका पदों पर भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। यह भर्ती छत्तीसगढ़ शासन, महिला एवं बाल विकास विभाग के निर्धारित नियमों एवं दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी। इच्छुक एवं पात्र महिला अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं। जारी विज्ञापन के अनुसार नगर पालिका बेमेतरा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 08 (कोदवा/ओमकार्ड वार्ड) में आंगनबाड़ी सहायिका का एक पद रिक्त है, जिसके लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी गई है, जिसके लिए अभ्यर्थियों को विभागीय पोर्टल https://www.e-bharti.in/ के माध्यम से पंजीयन कर आवेदन करना होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 23 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है।

निर्धारित कार्यक्रम के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच, सत्यापन एवं चयन प्रक्रिया विभागीय दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाएगी। अंतिम चयन सूची जारी होने के पश्चात ही अभ्यर्थियों को नियुक्ति दी जाएगी। आंगनबाड़ी सहायिका पद के लिए अभ्यर्थी का संबंधित ग्राम/वार्ड का स्थानीय निवासी होना अनिवार्य है। केवल महिलाओं को ही इस पद हेतु पात्र माना गया है। आवेदिका की अधिकतम आयु सीमा 44 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि विधवा, परित्यक्ता अथवा अन्य विशेष श्रेणी की महिलाओं को नियमानुसार आयु में छूट प्रदान की जाएगी। शैक्षणिक योग्यता के रूप में न्यूनतम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होना आवश्यक है।

कुपोषित बच्चों के जीवन में परिवर्तन लाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता : कलेक्टर यादव

कलेक्टर ने दो अतिगंभीर कुपोषित बच्चों की देखभाल की स्वयं जिम्मेदारी ली

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

कलेक्टर जितेन्द्र यादव ने आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग एवं एनआरएलएम की संयुक्त बैठक ली। कलेक्टर ने गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों के स्वास्थ्य एवं पोषण, पो लईका पहल अभियान, गर्भवती माताओं का पंजीयन, वैक्सीनेशन सहित सभी योजनाओं की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि कुपोषित बच्चों के जीवन में परिवर्तन लाना जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कलेक्टर ने जिले में कुपोषण उन्मूलन की दिशा में संवेदनशील पहल करते हुए दो अति गंभीर कुपोषित बच्चों की संपूर्ण देखभाल एवं उपचार की जिम्मेदारी स्वयं ली है। उन्होंने अतिगंभीर कुपोषित बच्चों को एनआरसी में भर्ती कराया जाए तथा उनका नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने कहा कि कुपोषण से बच्चों का शारीरिक एवं मानसिक विकास गंभीर रूप से प्रभावित होता है, इसलिए सभी अधिकारी एवं फील्ड स्टाफ अपने दायित्वों का निर्वहन समयबद्ध और प्रभावी तरीके से करें। उन्होंने प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र को कुपोषण-मुक्त बनाने हेतु कार्ययोजना बनाकर क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए। इसके लिए जनसहभागिता से सुपोषण के प्रति जागरूकता लाने के लिए कहा। कलेक्टर ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

कलेक्टर ने कहा कि एक अच्छी आदत कई सकारात्मक आदतों को जन्म देती है, इसलिए महिलाओं को स्वास्थ्य, पोषण एवं योग जैसी गतिविधियों से जोड़ना अत्यंत आवश्यक है। कलेक्टर ने कहा कि गर्भवती एवं धात्री महिलाओं की नियमित योग, बीपी व शुगर की जांच तथा पोषण संबंधी परामर्श से अत्यधिक लाभ मिलता है। उन्होंने बताया कि जिले के सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में प्रत्येक बुधवार को योग एवं स्वास्थ्य परीक्षण की गतिविधि संचालित की जा रही है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं से कहा कि वे महिलाओं को अधिक से अधिक शामिल होने के लिए प्रेरित करें।

कलेक्टर ने बताया कि जिले में नवजात शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक गलत तरीके से दूध पिलाना और डकार न दिलाना भी पाया गया है। उन्होंने कहा कि माताओं को सही तरीकों से शिशु की देखभाल, स्तनपान, डकार की तकनीक और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहारों की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों में छोटी-छोटी प्रदर्शन गतिविधियां, वीडियो और मॉडल के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो कार्यकर्ता उत्कृष्ट कार्य कर रहे हैं, उन्हें स्थानीय स्तर पर सम्मानित कर सकते हैं। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सुश्री सुरुचि सिंह, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एनआर नवरतन, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास श्रीमती गुरुप्रीत कौर सहित महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अधिकारी उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय परिसर की बकायादार दुकानों पर होगी कार्रवाई

कलेक्टर जितेन्द्र यादव की अध्यक्षता में जिला चिकित्सालय परिसर में जीवन दीप समिति कार्यकारिणी की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला चिकित्सालय परिसर में संचालित 26 व्यावसायिक दुकानों द्वारा लम्बे समय से किराया भुगतान नहीं किए जाने पर दुकानदारों को अंतिम नोटिस जारी कर वसूली करने का निर्णय लिया। किराया भुगतान नहीं करने वाले दुकानों को सील करने का निर्णय लिया गया। सिविल सर्जन द्वारा जारी अंतिम नोटिस के बावजूद निर्धारित समय सीमा में कुछ बकायेदारों से भुगतान प्राप्त नहीं हुआ है। जिला चिकित्सालय परिसर की दुकानों पर कुल 12 लाख 99 हजार 909 रूपए की बकाया राशि दर्ज थी। जिसमें से 2 लाख 70 हजार 864 रूपए की वसूली की गई है। इसके बाद 10 लाख 29 हजार 045 रूपए की शेष राशि बकाया है। जिसे दुकानदारों द्वारा अंतिम नोटिस के बावजूद जमा नहीं किया गया है। बकाया शेष राशि जमा नहीं करने वाले दुकानदारों के विरुद्ध दुकाने सील करने की कार्रवाई की जाएगी।

सामान्य सभा की बैठक : जल संकट पर सख्ती : अधूरे कार्यों पर ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने के दिए निर्देश

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

जिला पंचायत बेमेतरा में सामान्य सभा की महत्वपूर्ण बैठक जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में साजा विधायक ईश्वर साहू, जिला पंचायत सीईओ प्रेमलता पदमाकर सहित जिला पंचायत सदस्य एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक की शुरुआत पूर्व बैठक की कार्यवाही एवं पालन प्रतिवेदन की समीक्षा के साथ हुई। इसके बाद केडा, विद्युत, उद्योग, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (पीएचई), जल संरक्षण, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, समाज कल्याण, श्रम तथा स्वास्थ्य विभागों के कार्यों एवं योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। साथ ही प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना अंतर्गत सड़कों की स्थिति, मरम्मत और अनुबंध से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई।

गर्मी के बढ़ते प्रभाव और संभावित जल संकट को देखते हुए अध्यक्ष ने पीएचई एवं विद्युत विभाग को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने खराब पड़े बोर एवं हैंडपंपों को प्राथमिकता के आधार पर तत्काल सुधारने के निर्देश दिए, ताकि ग्रामीणों को पानी की समस्या से राहत मिल सके। जल जीवन मिशन के अंतर्गत अधूरे नल-जल योजना कार्यों को लेकर अध्यक्ष ने नाराजगी जताई। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अधूरे कार्य छोड़ने या गुणवत्ता में कमी बरतने वाले ठेकेदारों को चिन्हित कर ब्लैकलिस्ट किया जाए और उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाए।

अध्यक्ष ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए जल संकट से निपटने हेतु सभी आवश्यक कार्य शीघ्र पूर्ण करने और आमजन को राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। बैठक में विभिन्न विभागों की प्रगति, आगामी योजनाओं एवं बजट आवंटन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। अंत में अध्यक्ष ने सभी अधिकारियों को जनहित को सर्वोपरि रखते हुए जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन के कार्यों के संपादन के लिए अधिकारी नियुक्त

कवर्धा। कलेक्टर गोपाल वर्मा ने छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1995 के नियम 20 तथा 21 (1) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए त्रिस्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2026 के कायों का संपादन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर तथा सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया हैं। कबीरधाम जिले के 07 ग्राम पंचायतों में सरपंच और 27 ग्राम पंचायतों में पंच पदों का उप निर्वाचन होगा। कलेक्टर ने इसके लिए संबंधित तहसीलदार को रिटर्निंग ऑफिसर और जनपद सीईओ को सहायक रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया है।

बेमेतरा जिला चिकित्सालय में मेडिकल इतिहास की बड़ी कामयाबी

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

बेमेतरा जिला चिकित्सालय में वह कर दिखाया गया, जो कुछ साल पहले तक बड़े शहरों के निजी अस्पतालों तक सीमित माना जाता था। जानलेवा एक्टोपिक प्रेगनेंसी से जूझ रही एक गर्भवती महिला की समय रहते सर्जरी कर चिकित्सकों ने उसकी जिंदगी बचा ली। यह सफलता न सिर्फ डॉक्टरों की दक्षता का प्रमाण है, बल्कि यह भी दिखाती है कि अब बेमेतरा जैसे जिले में भी गंभीर से गंभीर प्रसूति जटिलताओं का इलाज संभव हो रहा है।

कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाई के निर्देशन और स्वास्थ्य विभाग सीएमएचओ डॉ अमृत लाल रोहलेडर, जिला कार्यक्रम प्रबंधक सुश्री लता बंजारे के सशक्त नेतृत्व में जिला चिकित्सालय बेमेतरा लगातार बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की मिसाल बन रहा है। 8 अप्रैल 2026 में सामने आए इस संवेदनशील मामले में महिला की दो महीने से मासिकधर्म नहीं आई चुकी महिला नसबंदी ऑपरेशन करवा चुकी थी इसलिए इसपर ध्यान नहीं दे पाई अचानक महिला घर में सीढ़ी से गिर गई और रक्तस्राव होने लगा, महिला निजी अस्पताल में जांच करवाने से पता चला कि उन्हें गर्भ नली में गर्भ ठहर गया था जो कि चोट से नली फटने से पेट में रक्त स्राव जमा हो रहा है, खर्च अधिक होने कारण उक्त महिला नवागढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गई जिन्हें गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल जिला चिकित्सालय बेमेतरा मातृ एवं शिशु चिकित्सालय के लिए रिफर किया गया जहां, वरिष्ठ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. विभा बर्मन ने अपनी टीम के साथ जोखिम भरी लेकिन सफल सर्जरी को अंजाम दिया। और महिला की जान बच गया।

क्या है एक्टोपिक प्रेगनेंसी-डॉ. विभा बर्मन ने बताया कि जब निषेचित अंडा गर्भाशय में न ठहरकर फैलोपियन ट्यूब, अंडाशय, पेट या सर्विक्स में विकसित होने लगता है, तो उसे एक्टोपिक प्रेगनेंसी कहा जाता है। लगभग 75 प्रतिशत मामलों में यह समस्या फैलोपियन ट्यूब में पाई जाती है, जो समय पर इलाज न मिलने पर महिला की जान के लिए बड़ा खतरा बन जाती है।

ये हैं इसके खतरनाक लक्षण-पेट के एक ओर तेज दर्द, पेल्विक क्षेत्र में खिंचाव, योनि से असामान्य रक्तस्त्राव, चक्कर आना, कंधे में दर्द और पेशाब या मल त्याग में परेशानी ये सभी संकेत गंभीर खतरे की ओर इशारा करते हैं।

टीमवर्क से बची जान-इस जटिल सर्जरी में गायनेकोलॉजिस्ट डॉ. विभा बर्मन, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. कुंदन लाल स्वर्णकार एवं डॉ अभिताभ साहू, पूरी मेडिकल टीम और सिविल सर्जन डॉ लोकेश साहू, एम सी एच प्रभारी डॉ सत्यप्रकाश कोसरिया एवं अस्पताल प्रमुख सलाहकार डॉ स्वाति यदु की अहम भूमिका रही। इस सफलता ने साफ कर दिया है कि अब बेमेतरा की गर्भवती महिलाओं को गंभीर जटिलताओं के लिए बाहर रेफर होने की मजबूरी नहीं रहेगी। जिला चिकित्सालय में उपलब्ध आधुनिक सुविधाएं और अनुभवी डॉक्टर मातृत्व सुरक्षा की दिशा में जिले को नई पहचान दिला रहे।

शिविर लगाकर लोगों की समस्याओं का किया जा रहा त्वरित समाधान

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

कबीरधाम जिले में आम नागरिकों की राजस्व संबंधी समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए राजस्व पखवाड़ा शिविर लगाया जा रहा है। इन शिविरों के माध्यम से लोगों को उनके क्षेत्र, गांव और तहसील स्तर पर ही सुविधाजनक सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं और आवेदनों पर त्वरित निराकरण शिविर स्थल पर किया जा रहा है। इसी क्रम में 9 अप्रैल को तहसील कार्यालय कवर्धा में राजस्व पखवाड़ा शिविर आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में नागरिकों ने पहुंचकर अपनी समस्या के संबंध में आवेदन दिए। इन आवेदन पर त्वरित निराकरण किया गया।

जिले में राजस्व पखवाड़ा 01 अप्रैल से ग्राम पंचायत मुख्यालय और तहसील व नगर पंचायत में आयोजित की जा रहा है। शिविर में अब तक कुल 527 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 446 आवेदनों का त्वरित निराकरण किया जा चुका है। शेष 131 आवेदनों की जांच कर निराकरण की कार्यवाई की जा रही है। प्राप्त आवेदनों में नामांतरण के 35, बंटवारा के 39, सीमांकन के 12, त्रुटि सुधार के 16, ऋण पुस्तिका संबंधी 47, नक्शा बटांकन के 58, अतिक्रमण के 3, आय-जाति-निवास प्रमाण पत्र संबंधी 110, नकल संबंधी 1 तथा अन्य प्रकार के 256 आवेदन शामिल हैं।

कलेक्टर गोपाल वर्मा ने बताया कि शिविर में राजस्व से जुड़े विभिन्न प्रकार के प्रकरणों का निराकरण किया जा रहा है, जिसमें मुख्य रूप से विवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, ऋण पुस्तिका वितरण, नक्शा अद्यतन, बटांकन, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, डिजिटल हस्ताक्षर, आधार एवं मोबाइल नंबर संकलन, अभिलेख शुद्धता, त्रुटि सुधार, व्यपवर्तन, स्वामित्व योजना से संबंधित कार्य तथा कोटवारी भूमि से जुड़े प्रकरण शामिल हैं। कलेक्टर ने बताया कि राजस्व पखवाड़ा के इन शिविरों का उद्देश्य आमजन को सरल, पारदर्शी एवं त्वरित सेवाएं प्रदान करना है। शिविरों में अधिकारियों द्वारा मौके पर ही समस्याओं का समाधान किया जा रहा है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार आगामी 15 अप्रैल को धमकी एवं दशरंगपुर में भी राजस्व पखवाड़ा शिविर का आयोजन किया जाएगा, जहां क्षेत्र के नागरिक अपनी समस्याएं लेकर पहुंच सकते हैं और मौके पर ही समाधान प्राप्त कर सकते हैं। सभी नागरिकों से अपील की है कि वे इन शिविरों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी राजस्व संबंधी समस्याओं का त्वरित समाधान प्राप्त करें।

124 मरीजों की पोर्टेबल एक्स-रे से की गई जांच

कलेक्टर गोपाल वर्मा के निर्देशानुसार कबीरधाम जिले में आम नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु सतत प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग द्वारा विशेष स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीके तुर्रे, जिला नोडल अधिकारी डॉ. केशव धुर्वे एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक श्रीमती अनुपमा तिवारी के मार्गदर्शन में ग्राम खुसीपार एवं ग्राम सुकुवापारा में स्वास्थ्य शिविर का सफल आयोजन किया गया।

शिविर में आधुनिक पोर्टेबल हैंड हेल्ड एक्स-रे मशीन के माध्यम से कुल 124 मरीजों की जांच की गई, जिसमें 46 पुरुष एवं 78 महिलाएं शामिल रहीं। ग्रामीण क्षेत्र में इस प्रकार की अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध होने से लोगों को बड़ी राहत मिली तथा उन्हें समय पर स्वास्थ्य जांच का लाभ प्राप्त हुआ। शिविर के दौरान स्वास्थ्य टीम द्वारा मरीजों का प्राथमिक स्वास्थ्य परीक्षण, परामर्श एवं आवश्यक उपचार भी प्रदान किया गया। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग के शशिकांत शर्मा, भूपेंद्र भास्कर, सेक्टर सुपरवाइजर शोभाराम निषाद, आरएचओ नीतीश कुमार साहू, आरएचओएफ श्रीमती प्रियंका मानिकपुरी, कोऑर्डिनेटर तिजऊ साहू सहित संबंधित क्षेत्र के मितानिन दीदियों की सक्रिय सहभागिता रही। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. पुरुषोत्तम राजपूत द्वारा शिविर का औचक निरीक्षण किया गया।

खनन विभाग के दावों की खुली पोल : गांवों में जारी अवैध उत्खनन

नई दृष्टिबिंदु / खैरागढ़

जिले के ग्राम दामरी में अवैध मुरुम खनन का मामला अब गंभीर रूप लेता जा रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि क्षेत्र में लंबे समय से सरकारी और निजी जमीनों पर खुलेआम खुदाई और परिवहन जारी है, लेकिन जिम्मेदार विभाग जानकर भी अनजान बना हुआ है। हालात यह हैं कि दिन-रात मशीनों की आवाज और ट्रैक्टर-ट्रॉली की आवाजाही आम हो गई है, फिर भी कार्रवाई न होना कई सवाल खड़े कर रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, लेकिन न तो मौके पर ठोस कार्रवाई हुई और न ही खनन पर कोई रोक लग सकी।

मामले में सबसे बड़ा विरोधाभास विधानसभा में पेश आंकड़ों को लेकर सामने आया है। हाल ही में दिए गए जवाब में जिले में रेत के अवैध उत्खनन का एक भी मामला दर्ज नहीं होने और मुरुम के सिर्फ दो प्रकरण सामने आने की जानकारी दी गई है। जबकि जमीनी स्तर पर दामरी के अलावा साल्हेवारा, बुंदेली और सोनभट्ठा जैसे इलाकों से लगातार अवैध खनन की शिकायतें मिल रही हैं। इससे कागजों और हकीकत के बीच बड़ा अंतर साफ दिखाई देता है। इधर खर्च को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। खनन विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 और 2025-26 में कुल 62 लाख 93 हजार 807 रुपए खर्च किए हैं, जिसमें वेतन, महंगाई भत्ता, मकान किराया, पेट्रोल-डीजल, कार्यालय सामग्री और अन्य मद शामिल हैं। बावजूद इसके अवैध खनन पर प्रभावी नियंत्रण नहीं दिख रहा, जिससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। जिले में 229 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में खदानों की लीज होने और वर्ष 2023 से 2026 तक 53 प्रकरण दर्ज होने की बात सामने आने के बावजूद जमीनी स्तर पर कार्रवाई का असर नजर नहीं आ रहा। इससे यह आशंका भी जताई जा रही है कि निगरानी तंत्र या तो पूरी तरह कमजोर है या फिर जानबूझकर ढिलाई बरती जा रही है।

इस पूरे मामले में सहायक खनिज अधिकारी बबलू पांडे का कहना है कि दामरी क्षेत्र से अवैध खनन की शिकायत मिली थी, जिसके बाद टीम मौके पर भेजी गई थी, लेकिन वहां कोई वाहन नहीं मिला। उन्होंने कहा कि जैसे ही अवैध गतिविधि या वाहन की जानकारी मिलेगी, विभाग द्वारा सख्त कार्रवाई की जाएगी।

फिलहाल, लगातार हो रहे अवैध खनन और कार्रवाई के अभाव से ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। लोगों ने कलेक्टर और उच्चाधिकारियों से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। अब देखने वाली बात होगी कि कागजों में जीरो और जमीन पर जारी खनन के इस विरोधाभास पर प्रशासन क्या कदम उठाता है।

हाई एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे
टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी

बॉलीवुड के एक्शन हीरो और दिग्गज अभिनेता एक साथ एक फिल्म में नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दोनों एक नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे, जिसे लेकर फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह है।

पहली बार साथ आएंगे टाइगर और सुनील

वैरायटी इंडिया के मुताबिक पहली बार टाइगर श्रॉफ और सुनील शेट्टी नई हाई-ऑक्टेन एक्शन एंटरटेनर फिल्म में नजर आएंगे। दोनों अपने-अपने अंदाज के लिए जाने जाते हैं। टाइगर जहां अपनी फिटनेस और स्टाइलिश एक्शन के लिए मशहूर हैं, वहीं सुनील शेट्टी अपने दमदार स्क्रीन प्रेजेंस और रफ-टफ इमेज के लिए पसंद किए जाते हैं। इस प्रोजेक्ट को और भी खास बनाता है इसका एक इमोशनल कनेक्शन। सुनील शेट्टी पहले टाइगर श्रॉफ के पिता जैकी श्रॉफ के साथ कई फिल्मों में काम कर चुके हैं। अब वह उनके बेटे के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जो फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। रिपोर्ट्स के अनुसार मेकर्स इसे बड़े स्तर पर बनाने की तैयारी में हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक अनुभव मिल सके।
फिल्म को एक फुल-ऑन एक्शन एंटरटेनर बताया जा रहा है, जिसमें जबरदस्त एक्शन सीक्वेंस, स्टाइलिश फाइट्स और मसाला एंटरटेनमेंट का तड़का देखने को मिलेगा। कहानी को लेकर अभी ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। अब फैंस को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है, क्योंकि पहली बार यह जोड़ी बड़े पर्दे पर एक साथ नजर आने वाली है और उम्मीद की जा रही है कि यह फिल्म एक्शन लवर्स के लिए खास साबित होगी।

सारा अर्जुन को कैसे मिला रणवीर के अपोजिट किरदार
किरदार के लिए थे 1200 दावेदार

फिल्म 'धुरंधर' में हर किरदार ने दर्शकों पर अपना असर छोड़ा है। इस फिल्म में रणवीर सिंह लीड रोल में नजर आए हैं, वहीं उनके अपोजिट सारा अर्जुन दिखी हैं। सारा अर्जुन ने यलीना का रोल निभाया है। यलीना की भूमिका के लिए 1200 दावेदार थे। मगर, यह रोल सारा की झोली में आया। फिल्म 'धुरंधर' के कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने हाल ही में इसका जिक्र किया।
फ्रेश चेहरे को तवज्जो देना चाहते थे छाबड़ा
मुकेश छाबड़ा ने बताया कि रणवीर सिंह के किरदार हमजा के अपोजिट यलीना का रोल पाने के लिए कई एक्टर्स ने कोशिश की थी। हाल ही में एक इंटरव्यू में मुकेश छाबड़ा ने बताया कि उन्हें और आदित्य धर दोनों को ही उन एक्टर्स से ढेरों रिक्वेस्ट मिल रही थीं, जो इस फिल्म का हिस्सा बनने के लिए बेताब थे। हालांकि, टीम एक बात को लेकर बिल्कुल साफ थी। कलाकार ऐसा हो, जो वाकई 'धुरंधर' की दुनिया का हिस्सा लगे, जिसकी पहले से कोई बनी-बनाई इमेज न हो।
मुकेश छाबड़ा और आदित्य धर को आ रहे थे लगातार मैसेज
मुकेश छाबड़ा ने कहा, 'बहुत से लोग आदित्य को भी मैसेज कर रहे थे और कह रहे थे कि वे रणवीर के अपोजिट कास्ट होना चाहती हैं। मुझे भी मैसेज मिल रहे थे। लेकिन मैंने आदित्य से बहुत साफतौर पर कहा कि हमें एक ऐसे चेहरे की जरूरत है जो सचमुच उस जगह का लगे, जिसके साथ कोई पुराना बैगेज न जुड़ा हो। इसलिए एक नया चेहरा ज्यादा बेहतर रहेगा, क्योंकि अगर कोई ऐसा एक्टर हो जिसने रणवीर के साथ पहले दो फिल्में की हों, तो वह कनेक्शन नहीं बन पाएगा, क्योंकि फिल्म में रणवीर का किरदार पाकिस्तान जाकर उस लड़की से मिलता है'।

हजार से ज्यादा एक्ट्रेस ने दिए ऑडिशन

दिलचस्प बात यह है कि बचपन में एक्टिंग करने के बावजूद सारा अर्जुन ने अभी तक बॉलीवुड में कोई पूरी तरह से लीड रोल नहीं किया था। यह बात उनके पक्ष में रही। फिल्म बनाने वाले एक ऐसे चेहरे को पेश करने के इच्छुक थे, जो दर्शकों को बिल्कुल नया और अनजान लगे। उन्होंने आगे कहा, 'हमारा यह साफ मानना था कि अगर हम उस दुनिया में कदम रख रहे हैं, तो यह एक पूरी तरह से चौंकाने वाला अनुभव होना चाहिए। लोग यह सोचने पर मजबूर हो जाएं कि यह लड़की कौन है? हमने बहुत सारे ऑडिशन लिए, कुल मिलाकर लगभग बारह सौ से तेरह सौ के करीब। फिर, आखिरकार हमने सारा का ऑडिशन लिया।

एकता ने बताई 'भूत बंगला' के टलने की असली वजह

अक्षय कुमार 14 वर्षों के बाद मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन के साथ फिल्म 'भूत बंगला' लेकर आ रहे हैं। आज इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वामिका गब्बी, राजपाल यादव, असरानी और तब्बू जैसे कलाकार भी हैं। 'भूत बंगला' पहले 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी लेकिन मेकर्स ने फिल्म को पोस्टपोन करने का फैसला किया। अब यह 17 अप्रैल को रिलीज होगी। इस बीच 'भूत बंगला' की निर्माता एकता कपूर ने फिल्म के पोस्टपोन होने की असली वजह बताई है। 'भूत बंगला' की रिलीज की तारीख आगे बढ़ाने पर एकता कपूर ने मीडिया से कहा कि फिल्म इसलिए लेट नहीं हुई क्योंकि थिएटर में 'धुरंधर 2' चल रही थी। मैं 10 अप्रैल को भी 'भूत बंगला' के लिए अच्छी स्क्रीन और शो-टाइम हासिल कर सकती थी। वैसे भी आजकल फिल्में आम तौर पर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रही हैं। अगर 'धुरंधर : द रिवेंज' अच्छा कर रही है, तो अच्छी बात है। हम उसके साथ किसी जंग में नहीं हैं! हमने सोचा कि हमें थिएटर में आने से पहले उसे अपना करीब 85 परसेंट रन पूरा करने देना चाहिए।' इससे पहले 'भूत बंगला' के मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टलने को लेकर कहा था 'धुरंधर : द रिवेंज का जबरदस्त प्रदर्शन हमारी फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छी खबर है। प्रदर्शकों को लगता है कि 'भूत बंगला' की रिलीज टालने से दोनों फिल्मों को वह जगह, फोकस और अटेंशन मिल पाएगी, जिसकी वे हकदार हैं।'

क्या एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाकर पछता रहे हैं रोहित

निर्देशक रोहित शेट्टी ने 'सिंघम' फ्रेंचाईजी, 'सूर्यवंशी' और 'सिंबा' जैसी एक्शन फिल्में बनाई हैं, जो दर्शकों के बीच खूब पसंद की गई हैं। इसके अलावा उन्होंने 'गोलमाल' सीरीज, 'चेन्नई एक्सप्रेस' और 'बोल बच्चन' जैसी कॉमेडी फिल्मों की सौगात भी दी है। मगर, रोहित शेट्टी का कहना है कि एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाने के बाद उनकी लाइफ में ही एक्शन और कॉमेडी आ गई है।

जिंदगी में एक्शन और कॉमेडी चल रही

रोहित शेट्टी ने आज शनिवार को इंस्टाग्राम अकाउंट से एक पोस्ट शेयर किया है। उन्होंने अपनी एक फोटो साझा की है, जिसमें वे ब्लैक टीशर्ट में नजर आ रहे हैं। काला चश्मा लगाए रोहित पोज दे रहे हैं। उनके कैप्शन ने ध्यान खींचा है। निर्देशक ने लिखा है, 'इतने साल एक्शन और कॉमेडी फिल्में बनाने में बिताए। अब साला जिंदगी में ही एक्शन और कॉमेडी चल रही है'।
रोहित शेट्टी के इस पोस्ट पर नेटिजंस के मजेदार रिएक्शन आ रहे हैं। कुछ यूजर्स उन्हें सुझाव दे रहे हैं तो कुछ सवाल कर रहे हैं। आधिकांश नेटिजंस की दिलचस्पी यह जानने में है कि 'खतरों के खिलाड़ी' का अगला सीजन कब आएगा? एक यूजर ने लिखा, 'जिंदगी का मतलब ही एक्शन और ड्रामा है। इसलिए आप 'सिंबा' बनो। वहीं, एक अन्य यूजर ने लिखा, 'गोलमाल 5' से सब बदल जाएगा। एक यूजर ने लिखा, 'चिंता मत करिए, धांसू कमबैक होने वाला है'।

रजनीकांत ने पूरी की 'जेलर 2' की शूटिंग; अगस्त में शुरू करेंगे अगली फिल्म

रजनीकांत की 'जेलर 2' लगातार चर्चाओं में बनी हुई है। फिल्म में इस बार कई कलाकार नजर आएंगे। अभिनेता ने अब फिल्म की आगे की जानकारी फैंस के साथ साझा कर दी है। साथ ही उन्होंने अपनी अगली फिल्म को लेकर भी अपडेट साझा की। दिग्गज अभिनेता रजनीकांत ने हाल ही में मीडिया से हुई बातचीत में फिल्म के बारे में चर्चा की। उनकी बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'जेलर 2' की शूटिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि फिल्म की शूटिंग पूरी हो चुकी है। अब फिल्म पोस्ट-प्रोडक्शन के अंतिम चरण में है। इसका काम पूरा होते ही टीम फिल्म की रिलीज डेट की आधिकारिक घोषणा करेगी।

पृथ्वीराज ने पूरी की 'वाराणसी' की शूटिंग

अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग का एक अहम शेड्यूल पूरा कर लिया है। अभिनेता ने जमकर पेट भरकर खाने का लुत्फ उठाया और फिल्म की रिलीज की उलटी गिनती शुरू होने की घोषणा की। अभिनेता पृथ्वीराज सुकुमारन ने एसएस राजामौली की आगामी फिल्म 'वाराणसी' की शूटिंग पूरी होने की खुशखबरी दी है। शूटिंग खत्म होने के साथ उन्होंने फिल्म की रिलीज के लिए एक साल की उलटी गिनती भी शुरू कर दी है। पृथ्वीराज ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर सेट से एक चीट मील की तस्वीर शेयर की है। इस तस्वीर के साथ अभिनेता ने लिखा, 'बहुत मेहनत वाले शेड्यूल का आखिरकार अंत हो गया। चीट मील का पूरा मजा लिया।' इसके साथ ही पृथ्वीराज सुकुमारन ने फिल्म के निर्माता केएल नारायण को धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने फिल्म की रिलीज डेट भी बताई। पृथ्वीराज ने लिखा, '7 अप्रैल 2027 को सिनेमाघरों में मिलते हैं।' फिल्म 'वाराणसी' में महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा और पृथ्वीराज सुकुमारन मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह एक तेलुगु एडवेंचर ड्रामा फिल्म है। इसका निर्देशन एसएस राजामौली ने किया है। फिल्म का बजट 1300 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म में महेश बाबू रुद्र और भगवान राम के दोहरे रोल में दिखेंगे। प्रियंका चोपड़ा मंदाकिनी और पृथ्वीराज सुकुमारन कुंभ के रोल में नजर आएंगे।

'धुरंधर 2' की सफलता के बाद क्या रणवीर सिंह के साथ फिर हाथ मिलाएंगे आदित्य धर?

आदित्य धर के सितारे इस वक्त बुलंदी पर है। उन्होंने बैक टू बैक दो ब्लॉकबस्टर फिल्में- 'धुरंधर' और 'धुरंधर 2' दी हैं। अब दर्शकों की उत्सुकता यह जानने में है कि वे आगे क्या बनाने जा रहे हैं? निर्देशक आदित्य धर कथित तौर पर अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए तीन बिल्कुल अलग-अलग जॉनर पर विचार कर रहे हैं। इस बीच कहा यह भी जा रहा है कि आदित्य धर एक बार फिर रणवीर सिंह के साथ हाथ मिला सकते हैं। हालांकि, इससे पहले निर्देशक ब्रेक ले सकते हैं।

आदित्य के पिटारे में क्या है खास

आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर द रिवेंज' बॉक्स ऑफिस पर कमाई के रिकॉर्ड तोड़ रही है। वर्ल्डवाइड यह 1500 करोड़ क्लब में शामिल हो चुकी है। इस बीच आदित्य धर के बारे में कहा जा रहा है कि वे अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट के लिए तीन संभावित फिल्मों पर विचार कर रहे हैं। वैरायटी इंडिया के अनुसार, इन फिल्मों में उनका एक पैशन प्रोजेक्ट 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' शामिल है, जिसे पहले रोक दिया गया था। इसके अलावा चंद्रगुप्त मौर्य के शासनकाल पर आधारित एक बड़े पैमाने की ऐतिहासिक फिल्म और एक स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म शामिल हैं।

'धुरंधर 2' के बाद लेंगे ब्रेक

कहा जा रहा है कि डायरेक्टर के पास कई प्रोजेक्ट्स के विकल्प मौजूद हैं, लेकिन वे एक ब्रेक के बाद ही अगले प्रोजेक्ट पर आगे बढ़ेंगे। डायरेक्टर ने पिछले तीन साल रणवीर सिंह के साथ 'धुरंधर' फ्रैंचाइजी पर काम करते हुए बिताए हैं। इसलिए, अब वे कुछ समय का ब्रेक लेंगे। रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक बात पक्की है कि आदित्य धर की अगली फिल्म और बड़े कैनवास पर बनने वाली है। रिपोर्ट के अनुसार, आदित्य धर एक बार फिर रणवीर के साथ काम करने के इच्छुक हैं। इस बार वे मौर्य साम्राज्य के संस्थापक पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा फिल्म पर काम करेंगे। आदित्य धर पिछले साल से ही रणवीर के साथ बातचीत कर रहे हैं। 'धुरंधर' के साथ उनके सफल कोलैबोरेशन ने इस संभावित नए प्रोजेक्ट के लिए उम्मीदें और बढ़ा दी हैं।

क्यों रुका 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' पर काम

बात करें 'द इमॉर्टल अश्वत्थामा' की तो यह आधित्य धर के उन पैशन प्रोजेक्ट्स में से एक है, जिसे कथित तौर पर बजट संबंधी दिक्कतों के चलते कुछ समय के लिए रोक दिया गया था। हालांकि, 'धुरंधर' से अच्छी-खासी कमाई के बाद इस फिल्म पर फिर से काम शुरू होने की संभावना बन गई है। लेकिन, अगर इसे हरी झंडी नहीं मिलती है, तो कहा जा रहा है कि यह ऐतिहासिक ड्रामा ही आदित्य धर का अगला प्रोजेक्ट है। इसके अलावा, ऐसी भी चर्चा है कि आदित्य धर एक स्पोर्ट्स ड्रामा पर भी काम कर रहे हैं।

पर्यटन सुविधाओं के विस्तार व बेहतर प्रबंधन के निर्देश, पर्यटन मंत्री ने बोटिंग का लिया आनंद

पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने मयाली नेचर कैंप का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

जशपुर जिले के सुरम्य प्राकृतिक परिवेश में स्थित मयाली नेचर कैंप इन दिनों पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र बनता जा रहा है। नील गगन की छाया, अरुणिम प्रभात की शीतल मंद बयार और सघन वनों के बीच बसी मयाली की धरा प्रकृति के अनुपम संगीत से गुंजायमान है। यहां एक ओर विस्तृत जलाशय दर्पण की तरह चमकता है, तो दूसरी ओर विराट प्राकृतिक शिवलिंग के रूप में सुशोभित मधेश्वर पर्वत आध्यात्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है।

इसी मनोहारी स्थल का निरीक्षण करने आज पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल पहुंचे। उन्होंने मयाली नेचर कैंप की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया और छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अधिकारियों को पर्यटकों की सुविधाओं, सुरक्षा और अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मंत्री श्री अग्रवाल ने कैंप में उपलब्ध आवासीय सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, भोजन प्रबंध और साहसिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि मयाली जैसे प्राकृतिक स्थलों को राज्य के प्रमुख इको-टूरिज्म डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जाना चाहिए, ताकि देश-विदेश के पर्यटक यहां आकर छत्तीसगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत का अनुभव कर सकें।

मंत्री श्री अग्रवाल ने जलाशय में बोटिंग का आनंद भी लिया और इस दौरान प्राकृतिक सौंदर्य की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां की शांति, हरियाली और स्वच्छ वातावरण पर्यटकों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करता है, जो उन्हें प्रकृति के और करीब ले जाता है।

मयाली नेचर कैंप में पर्यटकों के लिए टेंट हाउस, कुटीर, बोटिंग, ट्रेकिंग और स्थानीय व्यंजनों की सुविधा उपलब्ध है। यहां आने वाले पर्यटक मधेश्वर पर्वत के दर्शन के साथ-साथ आसपास के घने जंगलों और जैव विविधता का भी आनंद ले सकते हैं। यह स्थान न केवल पर्यटन की दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि आध्यात्मिक शांति की तलाश करने वालों के लिए भी एक आदर्श स्थल है। पर्यटन मंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मयाली नेचर कैंप में मूलभूत सुविधाओं का और विस्तार किया जाए, स्थानीय युवाओं को रोजगार से जोड़ा जाए तथा इस स्थल का व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए, ताकि अधिक से अधिक पर्यटक यहां आकर्षित हों।

मयाली की यह पावन और प्राकृतिक धरा हर उस व्यक्ति को आमंत्रित करती है, जो शांति, सौंदर्य और आध्यात्मिक ऊर्जा की तलाश में है। छत्तीसगढ़ सरकार के प्रयासों से यह स्थल आने वाले समय में प्रदेश के प्रमुख पर्यटन केंद्र के रूप में स्थापित होता नजर आ रहा है।

खास खबर

सुकमा में लोकतंत्र की नई शुरुआत, पुर्नवास केंद्र के 116 आत्मसमर्पित युवाओं का बना मतदाता कार्ड

नई दृष्टिबिंदु / सुकमा

छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति के तहत समाज की मुख्यधारा में लौट रहे आत्मसमर्पित युवाओं को अब लोकतंत्र से जोड़ने की दिशा में जिला प्रशासन ने एक ऐतिहासिक पहल की है। सुकमा जिले के पुनर्वास केंद्र में निवासरत 116 हितग्राहियों का मतदाता परिचय पत्र (वोटर आईडी कार्ड) बनाकर उन्हें मतदान का अधिकार सुनिश्चित किया गया है। जिला शासन के इस सकारात्मक कदम से अब ये पुनर्वासित युवा अपने मताधिकार का प्रयोग कर पंच, सरपंच, जनपद सदस्य, जिला पंचायत सदस्य, विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों का चयन कर सकेंगे। इतना ही नहीं, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी भागीदारी को और मजबूत करते हुए अब वे भविष्य में स्वयं भी चुनाव लड़ने के पात्र बन गए हैं। यह बदलाव उनके जीवन में सम्मान, अधिकार और आत्मविश्वास की नई शुरुआत माना जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा बताया गया कि छत्तीसगढ़ शासन की नक्सल पुनर्वास नीति का लाभ आत्मसमर्पित युवाओं को लगातार दिया जा रहा है। पुनर्वास केंद्र में निवासरत 116 हितग्राहियों के राशन कार्ड, जॉब कार्ड, आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, श्रम कार्ड पंजीयन के साथ-साथ पीएम आवास योजना सर्वे भी पूरा कराया गया है। इससे उन्हें सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिलना सुनिश्चित हो गया है।

पुर्नवासित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा उन्हें विभिन्न प्रकार के कौशल प्रशिक्षण भी प्रदान किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि कृषि उद्यमिता प्रशिक्षण में 48 हितग्राही, सिलाई मशीन प्रशिक्षण में 5 हितग्राही, कृषि उद्यमी एवं राजमिस्त्री प्रशिक्षण में 265 हितग्राही, वाहन चालक प्रशिक्षण में 14 हितग्राही और मुर्गी पालन प्रशिक्षण में 25 हितग्राही कुल मिलाकर 317 पुनर्वासित युवा कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। जिला प्रशासन की यह पहल न केवल पुनर्वासित युवाओं को पहचान और अधिकार दिला रही है, बल्कि उन्हें एक बेहतर भविष्य की ओर अग्रसर भी कर रही है।

जनगणना 2027 की तैयारी के लिए तकनीकी सहायकों को दिया गया प्रशिक्षण

राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर प्रेमप्रकाश पाण्डेय की उपस्थिति में जनगणना 2027 की तैयारी के अंतर्गत तकनीकी सहायकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में तकनीकी सहायकों को जनगणना 2027 के लिए आवश्यक सभी तकनीकी प्रक्रियाओं, डिजिटल मॉड्यूल, डेटा प्रविष्टि, सत्यापन पद्धति तथा फील्ड में अपनाई जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई।

अपर कलेक्टर ने कहा कि जनगणना देश की योजना निर्माण प्रक्रिया की आधारशिला है, इसलिए सभी तकनीकी सहायकों को यह कार्य अत्यंत गंभीरता और तत्परता से करना होगा। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को समयबद्ध और सटीक रिपोर्टिंग करने के निर्देश दिए। जनगणना के प्रथम चरण के रूप में 1 मई से मकानों की गणना (हाउस लिस्टिंग) का कार्य प्रारंभ किया जा रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ कर ली गई हैं। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि जनगणना दल को सही जानकारी प्रदान करें और इस महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य में सहयोग दें। प्रशिक्षण का संचालन जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर दीपक ठाकुर द्वारा किया गया। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर अनिकेत साहू सहित प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे।

850 श्रद्धालुओं का दल रामलला व काशी विश्वनाथ के दर्शन के लिए हुए रवाना

44 हजार से अधिक श्रद्धालु ले चुके हैं रामलला दर्शन योजना का लाभ

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

रायपुर रेलवे स्टेशन पर उस समय भक्ति और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला, जब कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल एवं टंकराम वर्मा ने 850 तीथर्यात्रियों के दल को विशेष रामलला दर्शन ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर अयोध्या के लिए रवाना किया। जय श्री राम के जयघोष से पूरा स्टेशन गूंज उठा और श्रद्धालुओं के चेहरों पर पहली बार प्रभु श्रीराम के दर्शन की खुशी साफ झलक रही थी।

तीर्थयात्रियों में अयोध्या जाने को लेकर अत्याधिक उत्साह का वातावरण था। अधिकांश श्रद्धालु पहली बार रामलला के दर्शन करने जा रहे थे और उन्होंने इस अवसर के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं पर्यटन मंत्री श्री राजेश अग्रवाल का आभार व्यक्त किया। पर्यटन मंत्री श्री अग्रवाल ने यात्रियों से आत्मीय मुलाकात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं और यात्रा के संबंध में चर्चा करते हुए उनकी सुविधाओं का भी जायजा लिया।

यह तीथर्यात्रा अयोध्या में रामलला के दर्शन के साथ-साथ काशी में बाबा विश्वनाथ के दर्शन का भी अवसर प्रदान करेगी। राज्य सरकार द्वारा आईआरसीटीसी एवं छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के माध्यम से भोजन, आवास, चिकित्सा और भ्रमण सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाओं का बेहतर प्रबंध किया गया है। यात्रा के दौरान अधिकारी-कमर्चारी श्रद्धालुओं की सहायता में तत्पर नजर आए और यात्री भी व्यवस्थाओं से संतुष्ट दिखे।

साय सरकार की रामलला दर्शन योजना के अंतर्गत अब तक 52 ट्रेनों के माध्यम से लगभग 44,200 श्रद्धालु इस यात्रा का लाभ ले चुके हैं। वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली ट्रेन के रूप में रायपुर से 850 श्रद्धालु रवाना हुए हैं और अब तक कुल 53 ट्रेनों में 45,050 श्रद्धालु इस पावन यात्रा का हिस्सा बन चुके हैं।

छत्तीसगढ़ को प्रभु श्रीराम का ननिहाल माना जाता है और यहां के लोग उन्हें भांचा राम कहकर संबोधित करते हैं, जिससे प्रदेशवासियों का भगवान श्रीराम के प्रति गहरा आध्यात्मिक जुड़ाव झलकता है। साय सरकार इस आस्था को सम्मान देते हुए लगातार तीसरे वर्ष श्रद्धालुओं को अयोध्या और काशी दर्शन का अवसर प्रदान कर रही है। रायपुर रेलवे स्टेशन से रवाना हुई यह विशेष ट्रेन न केवल एक यात्रा का प्रारंभ है, बल्कि छत्तीसगढ़ की आस्था, संस्कृति और विश्वास की सशक्त अभिव्यक्ति भी है।

इस अवसर पर रायपुर जिला पंचायत अध्यक्ष नवीन अग्रवाल, पर्यटन मंडल के एमडी विवेक आचार्य, डीजीएम श्रीमती पूनम शर्मा, छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड एवं आईआरसीटीसी के अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय जनप्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहे।

ऑटो-टैक्सी होंगे व्यवस्थित, नए बस स्टेण्ड पर रहेगा फोकस

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

शहर के यातायात को सुव्यवस्थित एवं सुगम बनाने के उद्देश्य से पुराना बस स्टेण्ड को नए बस स्टेण्ड में स्थानांतरित किए जाने के संबंध में यातायात विभाग द्वारा ट्रक, ऑटो एवं टैक्सी संचालकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक पुलिस अधीक्षक धर्मेन्द्र सिंह के निर्देशानुसार एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुष्पेन्द्र सिंह बघेल व अमित पटेल के मार्गदर्शन में नव नियुक्त यातायात प्रभारी पुष्पेन्द्र सिंह द्वारा ली गई।

बैठक में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने एवं आम नागरिकों को सुविधाजनक परिवहन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विस्तृत चर्चा की गई तथा महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें ऑटो एवं टैक्सी के लिए दिन एवं रात्रि के किराया दर का निर्धारण किया जाएगा, जिससे यात्रियों को पारदर्शी एवं उचित किराया सुविधा मिल सके। यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए नए बस स्टेण्ड में व्यवस्थित टैक्सी स्टेण्ड स्थापित किया जाएगा। शहर में संचालित ऑटो एवं टैक्सी का क्रमबद्ध नम्बरिंग किया जाएगा, जिससे पहचान एवं नियंत्रण में सुविधा होगी।

पार्किंग व्यवस्था को सुव्यवस्थित किया जाएगा तथा निर्धारित स्थलों पर ही वाहनों की पार्किंग सुनिश्चित की जाएगी। भोरमदेव तिराहा में हो रही दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु विशेष यातायात प्रबंधन एवं सुरक्षा उपाय लागू किए जाएंगे। ट्रकों के लिए निर्धारित स्थान पर ही पार्किंग अनिवार्य की जाएगी। अवैध पार्किंग करने वाले वाहन चालकों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

यातायात प्रभारी ने सभी उपस्थित संघ प्रतिनिधियों से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए सभी की सहभागिता आवश्यक है। उन्होंने बताया कि नए बस स्टेण्ड में स्थानांतरण के बाद यातायात को अधिक व्यवस्थित एवं सुरक्षित बनाया जाएगा, जिससे आम जनता को बेहतर सुविधा मिल सकेगी। बैठक में उपस्थित सभी संघ पदाधिकारियों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया तथा यातायात व्यवस्था सुधार के लिए उठाए गए कदमों की सराहना की।

बैठक में शहर के विभिन्न ट्रांसपोर्ट संघों के पदाधिकारी उपस्थित रहे, जिनमें ट्रक संघ से राजेन्द्र मिश्रा, अभिषेक तिवारी, मुकुंद चन्द्रवंशी, कलेश्वर चन्द्रवंशी तथा ऑटो-टैक्सी संघ से अजय सिंह ठाकुर, इम्तियाज कुरैशी, आकाश, जितेन्द्र गुप्ता एवं कृष्णालाल साहू शामिल हुए।

गुरुकुल में होता है सभी धर्मो का सम्मान : संतोष बोथरा

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

गुरुकुल पब्लिक स्कूल, कवर्धा हमेशा अपने सामाजिक सरोकारों भारतीय संस्कृति एवं सर्वधर्म समभाव को ध्यान में रखते हुए विविध कार्यक्रमों का आयोजन करता है, इसी कड़ी में गुरुकुल सभागार में विश्व नवकार महामंत्र दिवस के उपलक्ष में प्राचार्य के मार्गदर्शन में विशेष सभा का आयोजन किया गया। मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस विशेष सभा के सम्माननीय अतिथि विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष संतोष बोथरा थे। सर्वप्रथम प्राचार्य ने सभी का आत्मीय स्वागत किया।

इस सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष संतोष बोथरा ने कहा कि गुरुकुल सभी धर्मो का आदर करता है। सर्वधर्म समभाव की स्थापना ही गुरुकुल का लक्ष्य है। नवकार महामंत्र में मानव कल्याण की कामना है। विश्व शांति एवं विश्व बंधुत्व की भावना से प्रेरित इस महामंत्र का जाप ही जैन धर्म का मूल मंत्र है। यहाँ यह बताना लाजिमी होगा कि नवकार महामंत्र जैन धर्म का सर्वोच्च एवं अत्यंत प्रभावशाली मंत्र है। इसकी विशेषता यह है कि अनादि काल से प्रचलित है इसका कोई ज्ञात रचयिता नहीं है और यह शाश्वत है। यह किसी व्यक्ति विशेष या देवता का नाम न लेकर ही गुणों और आदर्शो को नमन करता है। यह अरिहंत, सिद्ध आचार्य, उपाध्याय तथा साधु आदि पंच परमेष्ठि को समर्पित है। इसके भावपूर्ण जाप से आत्मशुद्धि,सम्यक ज्ञान, आत्मविश्वास मानसिक शांति,कलुष नाश , एकाग्रता तथा सकारात्मकता की प्राप्ति होती है।

इस अवसर पर संगीत विभाग की तरफ से जैनम चोपड़ा, प्रतीक जैन,इशा चोपड़ा, फाल्गुनी गुप्ता, प्रतीक्षा चौबे तथा कीमाज्ञा साहू ने नवकार महामंत्र का सस्वर पाठ कर गुरुकुल परिसर में भक्ति की धारा प्रवाहित कर दी। शिक्षकों सहित सभी विद्यार्थियों ने इस महामंत्र का सामूहिक जाप कर स्वयं में दिव्य ऊर्जा का संचार अनुभव किया। भारत सहित विश्व के लगभग 108 देशों में 9 अप्रैल को सुबह 8 बजे से लाखों लोगों ने विश्व शांति के लिए सामूहिक जाप किया इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष तथा अन्य पदाधिकारीगण ने सभी को विश्व नवकार महामंत्र दिवस की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान किया और आशा व्यक्त किया कि विश्व में शांति, सद्भाव अहिंसा और बंधुत्व की भावना का प्रसार हो। मानव मात्र में अपनत्व की भावना से एकत्व की स्थापना हो।

किसान किसन को 3 पीढ़ी से लंबित बटवारा के निराकरण से लघु व सीमांत किसान का मिलेगा लाभ

अपर कलेक्टर मारकण्डेय ने राजस्व पखवाड़ा शिविर मोतीपुर का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने डोंगरगढ़ विकासखंड के लाल बहादुर नगर तहसील के ग्राम मोतीपुर में आयोजित राजस्व पखवाड़ा शिविर का निरीक्षण किया। राजस्व पखवाड़ा शिविर में ग्राम मोतीपुर एवं गोविंदपुर के किसान, सरपंच, पंच और ग्रामीण बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। शिविर में पटवारी द्वारा बी-1 पढ़कर सुनाया गया तथा ग्रामवासियों से ग्राम में फौत हुए लोगों की जानकारी ली गई।

वर्ष 2025 में तिलोकीराम चंद्रवंशी, बोधी चंद्रवंशी, हीरामण गोंड, मुकेश चंद्रवंशी, संतानु सतनामी, सुखदास सतनामी, लगनी बाई, टीकम चंद्रवंशी, रमोतिन बाई, रोमन चंद्रवंशी, मदन चंद्रवंशी, पुरुषोत्तम कंवर एवं देवंतीन बाई के निधन की पुष्टि हुई। शिविर के किसानों के राजस्व प्रकरणों की समीक्षा की गई। शिविर में प्रहलाद गोंड एवं दिनेश द्वारा आवेदन प्रस्तुत करने पर अविवादित नामांतरण दर्ज करने हेतु पटवारी एवं ग्राम पंचायत सचिव को निर्देशित किया गया। शेष मृतकों के संबंध में सरपंच एवं पटवारी द्वारा बताया गया कि उनके वारिसानों के नाम पहले ही फौती नामांतरण की कार्रवाई पूरी की जा चुकी है।

राजस्व पखवाड़ा शिविर में लंबे समय से लंबित प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दिया गया। ग्राम मोतीपुर के 70 वर्षीय किसान किसन लाल कंवर ने बताया कि 3 पीढ़ी से बटवारा नहीं हुआ था। किसान किसन ने बताया कि उनके चार भाइयों में से दो भाइयों का निधन हो चुका था तथा दो जीवित हैं, लेकिन अब तक खाता विभाजन नहीं होने से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, खाद-बीज सहित विभिन्न कृषक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन्हें लघु कृषक के रूप में नहीं मिल पा रहा था। राजस्व पखवाड़ा के तहत आयोजित शिविर में तीन पीढ़ी से लंबित बटवारा प्रकरण का मौके पर निराकरण किया गया तथा उन्हें ऋण पुस्तिका भी उपलब्ध कराई गई। इस दौरान ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती पुलेश्वरी, तहसीलदार अमीय श्रीवास्तव, सहायक अधीक्षक ध्रुव, श्रीमती कुलेश्वरी एवं बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।

जिला चिकित्सालय में मरीजों को मिल रही बेहतर सुविधाएं

राजनांदगांव। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नेतराम नवरतन ने बताया कि जिला चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा और सेवा उपलब्ध करायी जा रही है। उन्होंने बताया कि जिला चिकित्सालय में भर्ती मरीजों को गुणवत्तायुक्त भोजन प्रदान किया जा रहा है। पूर्व में मरीजों के भोजन को लेकर शिकायतें मिलने पर पुरानी अनुबंधित संस्था का अनुबंध समाप्त कर नई संस्था को निर्धारित मेन्यू के अनुसार भोजन प्रदान करने हेतु नियुक्त किया गया है। अस्पताल परिसर के ओपीडी और अन्य कक्षों में लगे पंखे, कूलर, लाइट एवं अन्य इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की समय-समय पर आवश्यक मरम्मत की जा रही है। साथ ही मौजूदा दंत चिकित्सक के प्रसूति अवकाश पर जाने पर वैकल्पिक दंत चिकित्सक की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

खेल में संस्कार स्कूल की शानदार सफलता

राष्ट्रीय लाठी प्रतियोगिता के लिए 5 खिलाड़ी हुए चयनित

नई दृष्टिबिंदु / रायगढ़

जिले की प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्था संस्कार पब्लिक स्कूल ने शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद के क्षेत्र में भी अपना लोहा मनवाते हुए राष्ट्रीय लाठी चैम्पियनशिप प्रतियोगिता हेतु संस्कार के 5 खिलाड़ी चयनित हुए हैं।

संस्कार पब्लिक स्कूल के मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा ने बताया कि स्कूल की खेलकूद प्रशिक्षिका कांति माणिकपुरी के निर्देशन में खिलाड़ी उत्तर प्रदेश के महोबा में राष्ट्रीय लाठी प्रतियोगिता के ट्रायल में शामिल होने 2 अप्रैल से 7 अप्रैल के बीच गये थे। जहां पर शानदार प्रदर्शन के आधार पर संस्कार स्कूल के 5 खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित हुए हैं। जिनमें श्रद्धा सिंह ठाकुर, सेजल वर्मा, प्रकृति माणिकपुरी, आकांक्षा नेताम व मानसी विशाल शामिल हैं। ये आने वाले मई माह में राष्ट्रीय लाठी प्रतियोगिता में शामिल होंगे। संस्कार पब्लिक स्कूल के खिलाड़ियों के चयन पर प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा सहित संपूर्ण स्टॉफ व पालकों ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी हैं।

कांति बनी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

संस्कार पब्लिक स्कूल को एक और उपलब्धि प्राप्त हुई। स्कूल की खेलकूद प्रशिक्षिका कांति मानिकपुरी को राष्ट्रीय लाठी स्पोटस एसोसिएशन की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के रूप में मनोनित किया गया है। इसके लिए कांति मानिकपुरी का समर्पण एवं खेलकूद के प्रति अथाह लगन के चलते यह पद प्राप्त हुआ है। इसके लिए भी मार्गदर्शक रामचन्द्र शर्मा, प्राचार्या श्रीमती रश्मि शर्मा आदि स्टॉफ ने बधाई देते हुए शुभकामनाएं दी है।

" संस्कार स्कूल में शिक्षा का स्तर तो उच्च है ही साथ ही कैरियर निर्माण में, मानसिक विकास में, आत्म विश्वास वृद्धि में, खेलकूद का भी महत्वपूर्ण योगदान रहता है। यही कारण है कि हम शिक्षा के साथ-साथ खेलकूद व अन्य गतिविधियों के लिए भी उतना ही प्रतिबद्ध रहते हैं। ताकि विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास हो। "

रामचन्द्र शर्मा
मार्गदर्शक संस्कार पब्लिक स्कूल

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : हेरोईन तस्करी मामले में चार अंतरराज्यीय आरोपी चढ़े पुलिस के हत्थे

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-दुर्ग

दुर्ग पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी सफलता हासिल करते हुए हेरोईन (चिट्टा) तस्करी में शामिल 4 अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 91.9 ग्राम हेरोईन, जिसकी अनुमानित कीमत 18.69 लाख रुपये है, तथा 31 हजार रुपये नगद जब्त किए हैं।

एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ अपराध क्रमांक 236/2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(ख) एवं 27(क) में प्रकरण दर्ज कर लिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि मादक पदार्थों के अवैध व्यापार की जानकारी तत्काल पुलिस को दें और नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में सहयोग करें। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि ऐसे अपराधों में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

पंजाब से लाकर भिलाई में करते थे बिक्री

पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि भिलाई के हाउसिंग बोर्ड क्षेत्र में किराये के मकान में मादक पदार्थ रखकर बिक्री की जा रही है। सूचना पर थाना जामुल पुलिस और अउउव टीम ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर रेड डाली। छापे के दौरान मौके से चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे अमृतसर (पंजाब) से हेरोईन लाकर भिलाई में बेचने की तैयारी कर रहे थे।

किराये के मकान से चल रहा था कारोबार

आरोपी हाउसिंग बोर्ड, भिलाई (ईडब्ल्यूएस-312) में किराये का मकान लेकर अवैध रूप से नशे का कारोबार संचालित कर रहे थे। पुलिस ने मौके से हेरोईन और नगदी बरामद कर सभी आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया। गिरफ्तार आरोपियों में राजविन्दर कौर (19 वर्ष), जिला अमृतसर, राजवीर सिंह (32 वर्ष), जिला अमृतसर, कुलदीप सिंह (39 वर्ष), जिला अमृतसर, लवप्रीत सिंह (22 वर्ष), जिला अमृतसर शामिल हैं।

ऑनलाइन बैटिंग गिरोह का हुआ भांडाफोड़, 3 आरोपी गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

फर्जी बैंक खातों के जरिए ऑनलाइन बैटिंग का नेटवर्क संचालित करने वाले गिरोह के खिलाफ दुर्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 मुख्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस मामले में अब तक कुल 19 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है और करोड़ों रुपए के लेन-देन का खुलासा हुआ है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 31 दिसंबर 2025 को प्रार्थी अविनाश दुबे ने थाना पदमनाभपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि कुछ लोग अवैध रूप से दूसरों के बैंक खाते खुलवाकर उनके एटीएम, सिम कार्ड, पासबुक और चेकबुक हासिल कर रहे हैं। इन खातों का उपयोग विभिन्न ऑनलाइन बैटिंग ऐप्स में लेन-देन के लिए किया जा रहा था तथा सामग्री को मुंबई भेजकर अवैध आर्थिक गतिविधियों में उपयोग किया जा रहा था।

मामले में अपराध क्रमांक 566/2025 के तहत भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 317(4), 319(2) एवं टेलीकम्युनिकेशन एक्ट की धारा 42(2), 42(3) के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। पहले ही 16 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका था। जांच के दौरान सह मुख्य आरोपी कुश (28 वर्ष), रितेश राय (40 वर्ष) एवं महेंद्र सिंह ठाकुर (32 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 22 एटीएम कार्ड, 10 चेक बुक, 8 बैंक पासबुक, 4 सिम कार्ड, 5 मोबाइल फोन, एक नकली पिस्टल एवं एक रजिस्टर बरामद किया है। आरोपियों के बैंक खातों में करोड़ों रुपए के लेन-देन की पुष्टि हुई है। सभी आरोपियों को न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

अवैध कमाई के लिए चल रहा था खेल

जांच में सामने आया कि आरोपी अवैध लाभ कमाने के उद्देश्य से लोगों के नाम पर फर्जी बैंक खाते खुलवाते थे और उन्हें ऑनलाइन सट्टा-बैटिंग ऐप्स में पैसों के लेन-देन के लिए इस्तेमाल करते थे। दुर्ग पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अपने बैंक खाते, एटीएम कार्ड या सिम कार्ड किसी अन्य व्यक्ति को उपयोग के लिए न दें। इस प्रकार की गतिविधियां दंडनीय अपराध हैं। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस को दें।

इस कार्रवाई में थाना पदमनाभपुर पुलिस टीम की सराहनीय भूमिका रही, जिन्होंने सतत निगरानी और तकनीकी विश्लेषण के आधार पर आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की।

ऊंट के मुंह में जीरा के समान महंगाई भत्ता-वैष्णव

राजनांदगांव। राष्ट्रीय ग्लुकोज स्टार्च केमिकल मजदूर संघ राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं जिला किसान कांग्रेस राजनंदगांव प्रभारी महामंत्री योगेन्द्र दास वैष्णव ने डबल ईजन के सरकार कड़ा विरोध किया छत्तीसगढ़ अनुसूचित नियोजन भाग एक 45 नियोजन के लिए मंहगाई भत्ता 1 वर्ष में बढ़ोतरी किया गया जिसमें प्रतिदिन 8 रू महीना 226 रूपये बढ़ोतरी मजदुरो के लिए ऊठ के मुंह में जीरा समान है।

देश एवं प्रदेश मंहगाई चरम सीमा पर है लेकिन डबल ईजन के सरकार मझदुरो के छल कर रहा है छत्तीसगढ़ न्युनतम वेतनमान अधिनियम 1948 तहत हर छ महीने बढ़ोतरी किया जाता है लेकिन अक्टूबर 2025 में छत्तीसगढ़ शून्य रूपए दिया था 1 वर्ष में 226 बढ़ोतरी मोदी एवं सायं सरकार मझदुरो के चार कानून पोल तरी ढोल नजर आ रहा डबल ईजन के सरकार मझदुरो असंतोष पनप रहा है भाजपा सरकार उद्योगपति तथा व्यापारीयो के सरकार है मजदूर हितों में नहीं कर रहा है

दुर्ग जिला कबड्डी प्रीमियर लीग में खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह, श्रद्धांजलि सभाओं में शामिल हुए समाज सेवी इंद्रजीत सिंह छोटू

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

स्व. भरतलाल देशमुख स्मृति क्रीड़ा संस्था द्वारा आयोजित दुर्ग जिला कबड्डी प्रीमियर लीग में शामिल होकर इंद्रजीत सिंह छोटू ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के जोश और खेल भावना की सराहना करते हुए उन्होंने सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर समारोह में शशिकांत बघेल (अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ कबड्डी संघ), प्रदीप यादव (महासचिव), केशव बंटी हरमुख (अध्यक्ष, दुर्ग जिला कबड्डी संघ) सहित संघ के पदाधिकारी, खेल प्रेमी और जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। साथ ही प्रो कबड्डी खिलाड़ियों एवं अन्य गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थिति ने आयोजन को विशेष बना दिया। इंद्रजीत सिंह छोटू ने आयोजकों को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करते हैं और प्रतिभाओं को आगे बढ़ने का मंच प्रदान करते हैं।

वहीं शांतिनगर, भिलाई निवासी स्व. सुभाष सिंह भदौरिया की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर उन्होंने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की और शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

इसके पश्चात भिलाई सेक्टर-2 स्थित आस्था बहुउद्देशीय कल्याण संस्था में आयोजित वरिष्ठ पत्रकार स्व. मोहनलाल साहू की तृतीय पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में भी उन्होंने भाग लिया। इस दौरान उपस्थित वरिष्ठजनों, माताओं-बहनों और पत्रकार साथियों के साथ उन्होंने दिवंगत साहू जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया।

खेल, समाज और संवेदनशीलता—तीनों क्षेत्रों में सक्रिय सहभागिता के जरिए इंद्रजीत सिंह छोटू लगातार समाज में सकारात्मक संदेश दे रहे हैं।

विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने का मिलेगा व्यावहारिक अनुभव

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

नई शिक्षा नीति के प्रभावी क्रियान्वयन एवं शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से आज राजनांदगांव में एक महत्वपूर्ण पहल की गई। जनकल्याण सामाजिक संस्थान, राजनांदगांव एवं समता जन कल्याण समिति, राजनांदगांव द्वारा संयुक्त रूप से शासकीय कमला देवी राठी महिला महाविद्यालय, राजनांदगांव के साथ एक समझौता ज्ञापन संपादित किया गया। इस पहल का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पारंपरिक शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक एवं अनुभवात्मक शिक्षा से जोड़ना, उन्हें सामाजिक सरोकारों से अवगत कराना तथा नई शिक्षा नीति के अनुरूप कौशल आधारित शिक्षण को बढ़ावा देना है।

प्राचार्य डॉ. अंजली अवधिया ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने का व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे उनके व्यक्तित्व विकास के साथ-साथ समाज के प्रति जिम्मेदारी की भावना भी सुदृढ़ होगी। इस समझौते के अंतर्गत इंटर्नशिप, कायर्शालाएँ, सेमिनार, प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं सामुदायिक जागरूकता गतिविधियाँ आयोजित की जाएँगी। महाविद्यालय प्रशासन एवं दोनों संस्थाओं ने इस पहल को शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और दूरगामी कदम बताते हुए भविष्य में और अधिक सहयोगात्मक कार्यक्रम आयोजित करने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

कार्यक्रम में जन कल्याण सामाजिक संस्थान के अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह तथा समता जन कल्याण समिति के अध्यक्ष शिशुपाल खोबरागढे विशेष रूप से उपस्थित रहे। महिला महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अतिथि व्याख्याता सुरेंद्र कुमार पटले एवं डॉ उषा सोनवानी कार्यक्रम में विशेष रूप से सम्मिलित हुए।

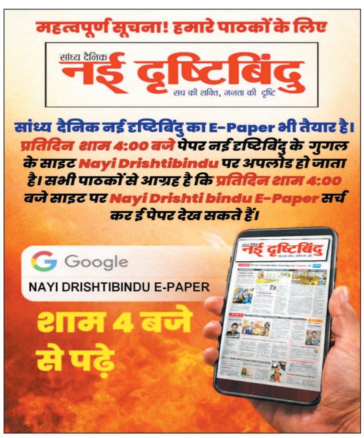

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100